दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-30 अंक-289 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 01 जनवरी 2025 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

दिल्ली में छाया घना कोहरा, साल के अंतिम दिन भी शीतलहर से राहत नहीं

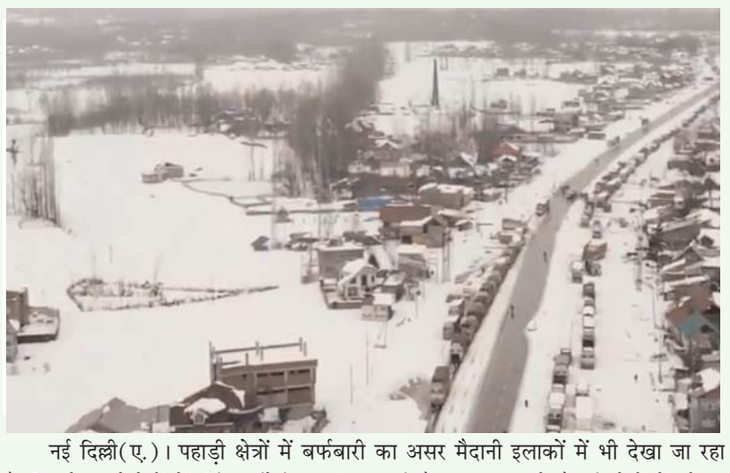

नई दिल्ली(ए.)। पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखा जा रहा है, जिससे तराई क्षेत्रों में ठंडी बर्फीली हवाएं चल रही हैं। इस कारण से मैदानी क्षेत्रों में कोहरा भी छाया हुआ है और लोग धूप का इंतजार कर रहे हैं। हालात ये हैं कि उत्तर भारत के अधिकांश हिस्से, खासकर दिल्ली-एनसीआर, शीतलहर की चपेट में हैं। हाल ही में हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट आई है, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है।

उत्तर प्रदेश में भी ठंड का प्रभाव जारी है, और पिछले दो दिनों से राज्य के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार, 31 दिसंबर को शुष्क मौसम की संभावना है, लेकिन कई जगहों पर कोहरा बना रहेगा। बिहार की राजधानी पटना में आज न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 23 डिग्री रहने की संभावना है। वहीं, अगले 3-4 दिनों में राजस्थान के कई हिस्सों में भी घना कोहरा रहने की संभावना जताई जा रही है। इस दौरान ठंड से बचाव के लिए लोग अपने घरों में ही रहें और आवश्यकतानुसार गर्म कपड़े पहनकर बाहर निकलें। दिल्ली-एनसीआर में मौसम में कोई खास बदलाव की उम्मीद नहीं है। अधिकतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। कुछ क्षेत्रों में सुबह के समय कोहरा रहने की संभावना जताई जा रही है। नए साल में तापमान में थोड़ा बदलाव हो सकता है, जहां अधिकतम तापमान 17 डिग्री और न्यूनतम तापमान भी 17 डिग्री रहने की संभावना है। हालांकि, नए साल में भी कुछ क्षेत्रों में कोहरा छाया रह सकता है। इस दौरान बारिश का कोई अनुमान नहीं है।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में बर्फबारी का सिलसिला जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, शीतलहर का प्रभाव जारी रहेगा, और ठंड से परेशानियां बढ़ सकती हैं। श्रीनगर मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, 31 दिसंबर, 1 जनवरी और 2 फरवरी को हल्की बर्फबारी हो सकती है, जबकि 3 से 6 फरवरी के बीच भारी बर्फबारी की संभावना जताई जा रही है। हिमाचल प्रदेश के विभिन्न इलाकों में 10 सेंटीमीटर से अधिक बर्फ जमी हुई है, जैसे कल्पा में 14.9 सेंटीमीटर, केलंग में 8 सेंटीमीटर, पूह और मुरंग में 12-12 सेंटीमीटर, और कुफरी में 14.5 सेंटीमीटर बर्फबारी रिकॉर्ड की गई है।

नए साल की पूर्व संध्या पर नए साल 2025 की शुभकामनाओं वाले रंगीन हाथ और चेहरे की पेंटिंग के साथ तस्वीरें खिंचवाती लड़कियां।

देश के सबसे अमीर सीएम चंद्रबाबू नायडू और सबसे गरीब हैं ममता बनर्जी

नई दिल्ली(ए.)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ भारत के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, जबकि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति के साथ सूची में तीसरे स्थान पर हैं।

भारत-पाक बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने दी नव वर्ष की शुभकामनाएं

जम्मू (आरएनएस)। नव वर्ष 2025 को लेकर जम्मू-कश्मीर में भारत-पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय सीमा पर हाई अलर्ट जारी किया गया है। बीएसएफ के जवान यहां पर किसी भी चुनौती से निपटने के लिए तैयार हैं। कड़ाके की ठंड में यहां पर बीएसएफ के जवानों द्वारा बॉर्डर पर पैनी नजर रखी जा रही है। सुरक्षा को लेकर बीएसएफ जवानों की क्या-क्या तैयारियां हैं। इसे लेकर आईएएनएस ने कुछ बीएसएफ के जवानों से बात की।

बीएसएफ के एक जवान ने बताया कि चुनौती साल के 365 दिन रहती है, लेकिन जब कोहरा बढ़ता है तो चुनौती दोगुनी हो जाती है। चुनौती चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, हम दुश्मनों दूसरों को विफल करने का हर संभव प्रयास करते हैं और हम ऐसा करने में सफल भी होते हैं। मैं देश के सभी नागरिकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

एक महिला बीएसएफ कर्मी ने बताया कि ठंड में चुनौतियां काफी बढ़ जाती हैं, क्योंकि कोहरा और पाला हमारे लिए बड़ी चुनौती बनते हैं। हम सीमाओं पर तैनात हैं और बीएसएफ की ओर से सभी नागरिकों को ढेर सारी शुभकामनाएं देना चाहते हैं। हमारे लिए तो पूरा देश ही हमारा परिवार है। देश नव वर्ष को धूमधाम से मनाए हम लोग बीएसएफ परिवार के साथ ही नव वर्ष मनाते हैं।

वर्ष 2024 किसानों की आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनाने वाला रहा : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि वर्ष 2024 विकसित भारत के विराट संकल्प की सिद्धि का आधार बना है। किसानों की आय बढ़ाने के साथ आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2024 विकसित भारत के विराट संकल्पों की सिद्धि का आधार बना है। इस दौरान कृषि क्षेत्र में भी हमने अभूतपूर्व उपलब्धियां अर्जित की हैं। प्रधानमंत्री द्वारा प्रत्येक कैबिनेट में कृषि और किसान से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण सौगात दी गईं। इस दौरान किसानों की आय बढ़ाने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य हुए।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने आगे कहा किसान की सेवा मोदी सरकार के लिए भगवान की पूजा है। प्रधानमंत्री ने अपने तीसरे कार्यकाल का शुभारंभ 'पीएम किसान सम्मान निधि' राशि जारी करने के साथ किया और 9.26 करोड़ किसानों को 20 हजार करोड़ सीधे भेजे।

कृष्ण-कुण्डली

सूरज की हर किरण, देती यह सन्देश।
चलते जाना जीवन है, बस यही है शेष।।
बस यही है शेष, राह यही सही है।
जिसने इसको जाना, दुनियां उसकी है।।
कहे कृष्ण-कविराए, नवर्ष इसे थामना।
पूरे वर्ष आपका, होगा सफलता से साम‍ना।।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के चार मिशन से मुख्यमंत्री डॉ. यादव संवारेंगे मध्यप्रदेश

भोपाल (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश विकास के लिए ग़रीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सशक्तिकरण को आधार बनाया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में आने वाले वर्ष-2025 में मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास को आकार देने के संकल्प के साथ चारों मुख्य स्तंभों के विकास के लिए प्रदेश सरकार ने गरीब कल्याण मिशन, युवा शक्ति मिशन, किसान कल्याण मिशन और महिला सशक्तिकरण मिशन को पूरा करने के लिए अलग-अलग ब्ल्यू-प्रिंट तैयार किए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन सशक्तिकरण मिशनों का जनवरी माह से शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री का दृढ़ विश्वास है कि इन चारों स्तंभों को सशक्त बनाकर मध्यप्रदेश के विकास का स्वर्णिम अध्याय लिखा जा सकेगा।

युवा शक्ति मिशन युवा पीढ़ी को उभरती प्रौद्योगिकियों, उद्यमिता और खेल के क्षेत्र में कौशल प्रदान करेगा। इससे उन्हें बदलते हुए नौकरी बाजार के लिए तैयार किया जा सकेगा, साथ ही उनमें सक्षम नेतृत्व के गुण विकसित होंगे। महिला सशक्तिकरण मिशन उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता, शैक्षिक अवसर और उद्यमिता के अवसर और प्रोत्साहन देगा। इससे महिलाएं आत्मनिर्भर बनेंगीं और प्रदेश में जेंडर इक्वलिटी को बढ़ावा मिलेगा। किसान कल्याण मिशन उद्देश्य विविधीकरण के साथ ही पशुपालन एवं मछली पालन जैसे सहायक व्यवसायों को एकीकृत करने और कृषि-आधारित उद्यमिता जैसे प्रगतिशील उपायों को वित्तीय सहायता और तकनीकी परामर्श देकर प्रोत्साहित कर खेती को मुनाफे का सौदा बनाने पर फोकस्ड है। गरीब कल्याण मिशन में सरकार आर्थिक रूप से पिछड़े समुदायों को वित्तीय सहायता, भूमि संबंधी अधिकार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान कर गरीबी के कुचक्र को तोड़ने में मदद करेगी।

युवा शक्ति मिशन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि 'युवा शक्ति मिशन' युवाओं के सशक्तिकरण की मजबूत बुनियाद सिद्ध होगा। मिशन से युवा में शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक सेवा की भावनाएं विकसित होंगी। साथ ही वह आधुनिक तकनीक के कुशल प्रयोग में सक्षम बनेगा। परिणामस्वरूप युवाओं में सफल एवं सक्षम नेतृत्व के गुण भी विकसित होंगे।

'युवा शक्ति मिशन' के सफल क्रियान्वयन में आधुनिक तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल विकास के पाठ्यक्रम युवाओं को सहजता से उपलब्ध हो सकें और वह उन्हें आसानी से समझ सकें, इसके लिए सरकार ने ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च किए हैं। इसका लाभ यह भी है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के युवाओं को इसकी सुविधाएं समान रूप से सुलभ होंगी। मिशन की सफलता के लिए सरकार ने सोशल-मीडिया के माध्यमों का भी प्रभावी उपयोग करने की रणनीत बनाई गई है, जिससे युवाओं को मिशन से संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध कराई जा सके। इससे युवाओं में मिशन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

संभल में फिर चलेगा अतिक्रमण पर बुलडोजर

-अगले दो-तीन दिनों में ही पहुंचेगी टीम

चंदौसी (ए.)। संभल में अतिक्रमण हटाने के अभियान को लेकर प्रशासन फिर से सक्रिय हो रहा है। अगले दो-तीन दिनों में अतिक्रमण पर नगर पालिका के बुलडोजर चलने की संभावना है। यह अभियान चिन्हित किए गए अतिक्रमण के साथ शहर के प्रमुख इलाकों में शुरू किया जाएगा, जहां अवैध निर्माणों और अतिक्रमण की समस्या लंबे समय से बनी हुई है।

डिप्टी कलेक्टर विनय कुमार मिश्रा ने शहर में आठ नवंबर से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरु किया और इस दौरान बुलडोजर चलवाकर नाले व सडक़ पर बनी दुकानों को ध्वस्त किया गया और स्लैब, टिनशेड आदि किए अतिक्रमण को धरासाई कर दिया। लेकिन यह अभियान 16 दिन तक चला और फिर डिप्टी कलेक्टर कुंभ में चले गए।

अतिक्रमण हटाओ अभियान

कुछ दिन रुकने के बाद फिर से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरु हो गया और नगर पालिका ईओ कृष्ण कुमार सोनकर की मौजूदगी में नगर पालिका टीम ने अवैध रूप से नाले पर बनी दुकानों को बुलडोजर से तोड़ गया, लेकिन पिछले लगभग दस दिन से अतिक्रमण हटाओ अभियान बंद हो गया और तेजी से गरज रहा बुलडोजर भी शांत हो गया। अतिक्रमण अभियान के बंद होने के बाद कुछ लोग तो चिन्हित किए अतिक्रमण को हटा रहे है लेकिन कुछ लोगों ने हटा अतिक्रमण फिर से करना शुरु कर दिया है। जिससे अतिक्रमण हटाने वाले लोगों में रोष व्यक्त है। ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने बताया कि लक्ष्मणगंज में बावड़ी की खुदाई में कर्मचारी व लेवर लगी हुई है इसलिए अतिक्रमण अभियान नहीं चला है लेकिन अब शीघ्र ही दो यात तीन दिन में फिर से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरु किया जाएगा।

नए साल के जश्न में डूबी दिल्ली, कनॉट प्लेस में उमड़ा लोगों का हुजूम; सुरक्षा के रहे कड़े बंदोबस्त

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में नव वर्ष के स्वागत में जश्न में दिल्ली डूबी रही। प्रमुख बाजारों और धार्मिक स्थलों पर लोगों का हुजूम उमड़ा। लोगों ने बड़े ही उत्साह के साथ नए साल का स्वागत किया। वहीं इस दौरान दिल्ली पुलिस की तरफ से सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए। देर रात तक सड़कों पर पुलिस की मुस्तैदी बनी रही। वाहनों चालकों की लगातार जांच की गई। दिल्ली में कनाट प्लेस में लोगों की सबसे ज्याद भीड़ रही है।

मंगलवार शाम से ही लोगों का हुजूम कनॉट प्लेस में उमड़ा। पुलिस की ओर से कनाट प्लेस में सिर्फ पास वाले वाहनों की ही अनुमति थी। इसके बावजूद वाहनों की संख्या काफी अधिक रही। अधिकारियों ने बताया कि कनॉट प्लेस में भीड़ प्रबंधन के लिए रास्तों को रात आठ बजे से देर रात तक के लिए बंद कर दिया गया था।

तीसरी आंख

कोविड की पाबंदियों के चलते कांग्रेस ने नहीं दी थी प्रणब मुखर्जी को श्रद्धांजलि

-पूर्व राष्ट्रपति के बेटे अभिजीत ने बहन की आलोचना का दिया जवाब

कोलकाता,(ए.)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने अपनी बहन शर्मिष्ठा मुखर्जी की कांग्रेस पार्टी की आलोचना का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनके पिता को सार्वजनिक जीवन में देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद समेत जो कुछ हासिल हुआ, वो कांग्रेस की बदौलत हुआ है। पूर्व सांसद मुखर्जी ने यह भी कहा कि उनके पिता का निधन कोविड काल में हुआ था और ऐसे में उस समय की कई पाबंदियों के चलते कांग्रेस कार्य समिति की बैठक बुलाकर श्रद्धांजलि नहीं दी गई थी, हालांकि बाद में कार्य समिति ने श्रद्धांजलि अर्पित की थी।

अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि कांग्रेस भी रैली करना चाहती थी लेकिन ऐसा नहीं कर सकी। हालांकि, पीएम और राहुल गांधी आ गए। शर्मिष्ठा मुखर्जी ने दिल्ली में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के प्रस्ताव का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि जब उनके पिता का निधन हुआ तो कांग्रेस कार्य समिति ने शोक सभा नहीं की थी। उन्होंने कहा कि एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने मुझे बताया कि भारत के पूर्व राष्ट्रपतियों के लिए शोक सभा बुलाने की कोई परंपरा नहीं है। यह तर्क पूरी तरह से निराधार है। मुझे अपने पिता की डायरी से पता चला कि सीडब्ल्यूसी ने पूर्व राष्ट्रपति के आर नारायण के निधन पर एक शोक सभा आयोजित की थी। नारायणन और मेरे पिता ने स्वयं शोक संदेश का मसौदा तैयार किया।

अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि कांग्रेस ने मेरे पिताजी को बनाया, इंदिरा जी ने बनाया। बाद में बाद राजीव गांधी, पी वी नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह के समय उन्हें जिम्मदारी मिली। पिताजी जो बने, कांग्रेस की वजह से बने थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने उनके पिता को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार नामित किया था। अभिजीत वर्ष 2021 में कांग्रेस छोड़कर तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए थे, हालांकि कुछ महीने पहले उन्होंने कांग्रेस में वापसी की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह जैसे व्यक्ति के निधन के बाद विवाद नहीं होना चाहिए था।

राज्यपाल श्री पटेल ने प्रदेशवासियों को दी नव वर्ष की बधाई

नव वर्ष का आगमन जीवन में नए संकल्प और लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ने का अवसर : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल(निप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने प्रदेशवासियों को नव वर्ष की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। मंगलकामना की है कि नव वर्ष 2025 सभी के लिए सुख, शांति, सद्भाव, समृद्धि और सफलता लेकर आये। उन्होंने कहा है कि नव वर्ष का आगमन जीवन में नए संकल्प और लक्ष्यों के साथ आगे बढ़ने का अवसर होता है। प्रदेशवासी नव वर्ष का स्वागत, समाज तथा राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी, दायित्व बोध के संकल्प के साथ करें।

कौन हैं भारतीय नर्स निमिषा प्रिया जिसे यमन में मिली मौत की सजा? मदद के लिए आगे आई भारत सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत ने मंगलवार को घोषणा की कि वह केरल की नर्स निमिषा प्रिया को 'हर संभव मदद' प्रदान कर रहा है। निमिषा प्रिया को यमन में एक यमनी नागरिक की हत्या के लिए मौत की सजा सुनाई गई है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा, हमें यमन में निमिषा प्रिया की सजा के बारे में पता है। हम समझते हैं कि प्रिया का परिवार प्रासंगिक विकल्पों पर विचार कर रहा है। सरकार इस मामले में हर संभव मदद कर रही है। यह बयान यमन के राष्ट्रपति रशद अल-अलीमी की ओर से निमिषा प्रिया की मौत की सजा को हाल ही में मंजूरी दिए जाने के बाद आया है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि एक महीने के भीतर फांसी हो सकती है, जिससे परिवार सदमे में है और उसे बचाने के लिए समय की कमी महसूस कर रहा है।

निमिषा की माँ, 57 वर्षीय प्रेमा कुमारी, मृत्युदंड की सज़ा माफ करवाने के लिए हर संभव कोशिश कर रही हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने यमन की राजधानी सना की यात्रा की। इस यात्रा का मकसद यमन में स्थित एनआरआई सामाजिक कार्यकर्ताओं के संगठन सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल की मदद से मृतक के परिवार के साथ दिया (ब्लड मनी) के भुगतान पर बातचीत करना था। ब्लड मनी यमन में यह एक पारंपरिक प्रथा है जिसके कारण प्रिया की सजा में कमी आ सकती थी।

स्वागतम्-2025

HAPPY YEAR 2025

सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

-जन-जागृति लाने में महर्षियों की बड़ी भूमिका, महर्षि श्री बालीनाथ जी परम संत थे
-योग, तप, साधना और साहचर्य से जीना सिखाती है हमारी संस्कृति

भोपाल (ए)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत विभिन्न धर्मों, समाजों, भाषाओं और संस्कृतियों का देश है। सब मिलकर यहां सद्भावपूर्वक रहते हैं। सांस्कृतिक वैविध्य ही हमारी संस्कृति की पहचान है। हमारी आस्था और जीवन मूल्य हमें विकास की ओर ले जाते हैं। योग, तप, साधना और साहचर्य से जीवन का समग्र विकास की शिक्षा सिर्फ भारतीय संस्कृति ही सिखाती है। समाज में जनजागृति लाने में महर्षियों की बड़ी अहम भूमिका रही है। महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा उन्हीं में से एक थे। वे परम संत थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को उज्जैन में महर्षि श्री बालीनाथ जी बैरवा जयंती कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो असंभव दिखता है, वो केवल सनातन धर्म में ही संभव है। महर्षि बालीनाथ जी ने समाज की कुरीतियों, रूढ़ियों और बुराइयों को खत्म किया और सबको सद्मार्ग की ओर ले जाने का काम किया। उन्होंने बालीनाथ जी की स्मृति में देश के दूरदराज से आए बैरवा समाजजन का अभिनंदन करते हुए कहा कि इस प्रदेश स्तरीय सामाजिक कार्यक्रम में आकर वे बेहद प्रसन्न है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अखिल जूनवाल द्वारा लिखित पुस्तक भीम वंदना का विमोचन भी किया। इसके बाद बैरवा समाज की बाईक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

कार्यक्रम में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार विभाग एवं उज्जैन जिले के प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, अखिल भारतीय बैरवा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश जारवाल, लालाराम बैरवा, राधेश्याम बैरवा, मुकेश टेटवाल, सी.एल. बैरवा, प्रभुराम सहित अन्य समाजजन उपस्थित थे।

अगले साल होगी राज्य स्तरीय पंचायत

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार अगले साल बैरवा समाज की राज्य स्तरीय पंचायत का आयोजन करेगी। इसमें देश के विभिन्न अंचलों में रह रहे बैरवा समाजजनों को आमंत्रित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में हो रहे औद्योगिक विकास में बैरवा समाज के उद्योगपति और व्यवसायियों को जोड़कर बैरवा समाज का सर्वांगीण विकास करेगी। उन्होंने कहा कि बैरवा समाज के बच्चे खूब पढ़ें, लिखें और आगे बढ़ें, इसके लिए सरकार हर जरूरी प्रयास और सहयोग भी करेगी।

सरकार पूरे ब्याज सहित मिल मजदूरों को उनका हक दिलाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महर्षि बालीनाथ जी के बताए मार्ग से प्रेरणा लेकर हमारी सरकार गरीबों के जीवन में उजाला लाने और उनके कष्टों का निवारण करने का प्रयास कर

रही है। हमारी सरकार ने उज्जैन की विनोद मिल के मजदूरों का संकट खत्म किया, उन्हें उनके सभी हक दिलाए। इंदौर की हुकुमचंद मिल के मामले का भी समाधान किया। हम ग्वालियर की जेसी मिल्स के मजदूरों को भी उनका हक दिलाने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐसी सभी बंद मिलों, जिनके मजदूरों को उनका हक अब तक नहीं मिल पाया है, सरकार पूरे ब्याज सहित उन मिल मजदूरों को उनका वाजिब हक दिलाएगी।

मिशन मोड में किया जा रहा गरीब, युवा, किसान और नारी कल्याण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में हमारी सरकार प्रदेश में गरीब, युवा, किसान, महिला और सभी जरूरतमंदों का कल्याण अभियान मिशन मोड में चलाया जा रहा है।

मध्यप्रदेश के स्लालम खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

4 स्वर्ण और 1 रजत पदक अर्जित

भोपाल (ए)। मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने उत्तराखंड के ऋषिकेश में 26 से 31 दिसंबर 2024 तक आयोजित ऑल इंडिया ओपन कैनो स्लालम चैंपियनशिप में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 6 में से 5 पदक अपने नाम किए।

प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश ने 4 स्वर्ण और 1 रजत सहित कुल 5 पदक जीते

स्वर्ण पद हासिल करने वालों में शिखा चौहान - K-1 वूमेन स्लालम, राहुल केवट - कायक स्लालम, अमित विश्वकर्मा - कायक क्रॉस (पुरुष), विशाल केवट - कैनो स्लालम और रजत पदक पल्लवी जगताप ने C-1 वूमेन स्लालम में हासिल किया। चैंपियनशिप में कुल 6 पदकों के लिए मुकाबला हुआ, जिनमें से 5 पदक मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने जीते। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने इस अद्वितीय उपलब्धि पर खिलाड़ियों को बधाई दी और कहा कि यह जीत मध्यप्रदेश की खेल नीति, खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और उत्कृष्ट कोचिंग का परिणाम है। उन्होंने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन में संत श्री बालीनाथ जी बैरवा की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

09009 वलसाड-प्रयागराज कुम्भ मेला एक तरफा विशेष ट्रेन

भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर गुजरेगी

भोपाल (निप्र)। रेल प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं एवं यात्रियों को सुगम, सुरक्षित एवं आरामदायक यात्रा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक तरफ़ा विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में, गाड़ी संख्या 09009 वलसाड-प्रयागराज कुम्भ मेला एक तरफ़ा विशेष ट्रेन चलाई जा रही है, जो भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन पर ठहरकर गंतव्य तक जाएगी। गाड़ी संख्या 09009 वलसाड-प्रयागराज विशेष ट्रेन दिनांक 01 जनवरी 2025 को वलसाड स्टेशन से सुबह 08.40 बजे प्रस्थान कर, इटारसी स्टेशन में रात्रि 22.55 बजे और मार्ग के अन्य स्टेशनों से होते हुए अगले दिन प्रातः 10.25 बजे प्रयागराज स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी के हाल्ट

रास्ते में यह गाड़ी नवसारी, भेस्तान, नंदुरबार, भुसावल जंक्शन, खंडवा, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, कटनी, मैहर, सतना एवं मानिकपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

कोच संरचना

इस विशेष ट्रेन में 16 शयनयान श्रेणी, 04 सामान्य श्रेणी सहित कुल 22 डिब्बे होंगे।

यात्रियों से अनुरोध है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा NTES/139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी पता करके तदनुसार यात्रा प्रारम्भ करें। उक्त विशेष ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

मेट्रो फेज-2 के लिए 29 दुकानें तोड़ी

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल मेट्रो की ऑरेंज लाइन के दूसरे फेज के लिए सोमवार सुबह 29 दुकानें तोड़ दी गई। अल्पना तिराहे से भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 तक यह कार्रवाई की गई। कुल 40 दुकानें टूटेगी। वहीं, ईरानी डेरा के आसपास करीब 30 अतिक्रमण हटेगा। कार्रवाई के बीच विधायक आतिफ अकील भी मौके पर पहुंचे और दुकानदारों के विस्थापन की मांग उठाई। कार्रवाई से नाराज व्यापारियों का आरोप है कि, मामले में हाईकोर्ट में आज सुनवाई होनी थी, लेकिन इससे पहले ही प्रशासन ने कार्रवाई कर दी। जिला प्रशासन उन्हें विस्थापित करें और उचित मुआवजा दें। ताकि, वे परिवार का भरण-पोषण और व्यापार कर सके।बता दें कि मेट्रो का दूसरा फेज सुभाष नगर डिपो से करोंद तक कुल 8.77किमी है। यह काम भी दो हिस्से में होगा।

बाय द वे रेस्टोरेंट पर पुलिस का छापा

भोपाल (आरएनएस)। बैरागढ़ के बाय द वे रेस्टोरेंट पर रविवार रात पुलिस ने दबिश दी। यहां एक दर्जन से ज्यादा ग्राहक हुक्का पी रहे थे। पुलिस टीम को देखते ही रेस्टोरेंट मैनेजर ने ग्राहकों को पिछले दरवाजे से भगा दिया। पुलिस ने मौके से मैनेजर को गिरफ्तार किया। मुखबिर की सूचना पर रात 9:30 बजे कार्रवाई की गई। हालांकि मैनेजर को रात 2:30 बजे नोटिस देकर छोड़ दिया गया। थाना प्रभारी कवल जीत सिंह रंधावा ने बताया कि बाय द वे रेस्टोरेंट पर रविवार रात दबिश दी थी। सीसीटीवी में पुलिस को देख मैनेजर ने ग्राहकों को भगा दिया था। अलग-अलग टेबल पर एक दर्जन से अधिक फ्लेवर्ड हुक्के रखे थे। मौके से मैनेजर अभिषेक यादव पिता कमलसिंह यादव (31) निवासी धोबी घाट बैरागढ़ को गिरफ्तार किया गया। रेस्टोरेंट में अवैध रूप से हुक्का परोसा जा रहा था। तलाशी लेने पर अलग-अलग टेबल पर 12 हुक्के, 12 पाईप और 12 चिमनी, फ्लेवर के 11 पैकेट जिसके अन्दर फ्लेवर जल रहा था जब्त किए गए।

भोपाल मंडल में ट्रेनों के ठहराव में वृद्धिः 01 जनवरी 2025 से होगा लागू

भोपाल (निप्र)। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और बेहतर सेवाओं के उद्देश्य से भोपाल मंडल से गुजरने वाली कुछ महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव में वृद्धि का निर्णय लिया है। 01 जनवरी, 2025 से मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव को 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया जा रहा है। यह निर्णय यात्रियों को बेहतर सुविधा और यात्रा के दौरान सुगमता प्रदान करने के लिए लिया गया है।

बढ़ाए गए ठहराव की विस्तृत सूची

1. गाड़ी संख्या 14319 इंदौर-बरेली साप्ताहिक एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 2. गाड़ी संख्या 14320 बरेली-इंदौर साप्ताहिक एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 3. गाड़ी संख्या 22468 गांधी नगर कैपिटल-वाराणसी एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 4. गाड़ी संख्या 22830 शालीमार-भुज एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 5. गाड़ी संख्या 19306 कामाख्या-डॉ. अम्बेडकर नगर एक्सप्रेस का बीना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 6. गाड़ी संख्या 12181 जबलपुर-अजमेर दयोदय एक्सप्रेस का गुना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 7. गाड़ी संख्या 12182 अजमेर-जबलपुर दयोदय एक्सप्रेस का गुना स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है। 8. गाड़ी संख्या 12627 बैंगलोर-नयी दिल्ली एक्सप्रेस का भोपाल स्टेशन पर ठहराव 5 मिनट से बढ़ाकर 10 मिनट किया गया है।

यात्रियों से अपील है कि किसी असुविधा से बचने के लिए 01 जनवरी 2025 से लागू नई समय-सारणी की जानकारी संबंधित स्टेशन, रेल मदद नंबर 139 अथवा ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त करें और अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट का होगा विनष्टीकरण

पूर्ण सुरक्षा व्यवस्था के साथ 12 कंटनरों से किया जायेगा परिवहन

भोपाल (ए)। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया है कि केन्द्र सरकार की ओवर साइट कमेटी के निर्देशों एवं सुपरविजन के अनुसार यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट के विनष्टीकरण की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि 337 मीट्रिक टन यूसीआईएल अपशिष्ट की पैकिंग, लोडिंग और परिवहन सीपीसीबी द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ विशेष 12 कंटेनरों से किया जायेगा। कंटेनर्स के साथ पुलिस सुरक्षा बल, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा क्विक रिस्पाँस टीम रहेगी। यह कंटेनर लीक प्रूफ एवं फायर रेजिस्टेंट हैं। प्रति कंटेनर 2 प्रशिक्षित ड्राइवर नियुक्त किये गये हैं। इन कंटेनरों का मूवमेंट जीपीएस द्वारा मॉनिटर किया जायेगा। अपशिष्ट का परिवहन भोपाल से पीथमपुर टीएसडीएफ तक एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शीघ्र किया जायेगा। संचालक श्री सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाइयों में निकलने वाले रासायनिक तथा अन्य अपशिष्ट के निष्पादन के लिये धार जिले के पीथमपुर में एकमात्र प्लांट है, जहां पर भस्मीकरण से अपशिष्ट पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाता है। यह प्लांट प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों द्वारा जनित खतरनाक एवं रासायनिक अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन के लिये स्थापित किया गया है। यह प्लांट सेन्ट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशानुसार संचालित है।

सेवानिवृत्त 38 रेल कर्मियों को दी गई भावभीनी विदाई

भोपाल (निप्र)। 31 दिसंबर 2024 को अपनी रेल सेवा से निवृत्त हुए 38 रेल कर्मियों को आज मण्डल कार्यालय में आयोजित एक गरिमामयी कार्यक्रम में माननीय मंडल रेल प्रबंधक महोदय द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अंतिम निपटान राशि का वितरण एनईएफटी के माध्यम से किया गया। साथ ही, रेलवे पेंशन पोर्टल (आई-पास) के माध्यम से भुगतान आदेश प्रपत्र, मानार्थ पास, पहचान पत्र तथा उदारीकृत चिकित्सा सुविधा कार्ड प्रदान किए गए। सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को स्वस्थ और सुखमय जीवन के लिए शुभकामनाएं दी गईं।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण), सहायक मंडल वित्त प्रबंधक, रेलवे यूनियन, संघ एवं एसोसिएशन के पदाधिकारी, तथा कार्मिक और लेखा विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे भोपाल मंडल अपने कर्मचारियों की दीर्घकालिक सेवा और समर्पण का सम्मान करता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

साल के अंतिम दिन रैन बसेरों के रहवासियों और साल के पहले दिन श्रमिकों के कल्याणार्थ शिविर

भोपाल (आरएनएस)। नवाचारों में अग्रणी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा नया साल मनाने की अनूठी पहल की गई है। साल के अंतिम दिन 31 दिसंबर 2024 को रैन बसेरों और साल के पहले दिन 01 जनवरी 2025 को श्रमिकों पीठों पर नए साल के उपलक्ष्य में विशेष आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान रैन बसेरों के रहवासियों और श्रमिकों के लिए विशेष स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाए जाएंगे। नए साल की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर को रैन बसेरा शाहजहांनी पार्क और रैन बसेरा हमीदिया अस्पताल के पास शिविर लगाया जाएगा। 01 जनवरी को करोंद चौराहा और परिहार चौराहा अशोका गार्डन में श्रमिक पीठों पर शिविर लगाया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्व प्रेरणा से इन शिविरों के आयोजन की पहल की गई है।

पचमढ़ी घूमने गई भोपाल की एमबीबीएस छात्रा की मौत, हृदय गति रुकने का जताया गया संदेह

भोपाल (ए.)। भोपाल के राधाकृष्ण मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की छात्रा नित्या साहू (21) की सोमवार को पचमढ़ी में अचानक तबीयत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। नित्या अपने तीन दोस्तों के साथ घूमने के लिए पचमढ़ी गई थी।

यात्रा के दौरान बिगड़ी तबीयत

29 दिसंबर को भोपाल के अवधपुरी स्थित गैलेक्सी सिटी निवासी नित्या अपने दोस्तों मुस्कान रंधावा, तनिष्क सक्सेना और पुष्पक गंधारे के साथ पचमढ़ी घूमने गई थी। पचमढ़ी थाना प्रभारी उमाशंकर यादव ने बताया कि रविवार रात खाना खाने के बाद मुस्कान अपने कमरे में सोने चली गई। सोमवार सुबह नित्या की तबीयत अचानक खराब हो गई और उसे उल्टियां होने लगीं।

अस्पताल पहुंचने से पहले मौत

सोमवार सुबह 7:45 बजे नित्या और उसके साथियों को भोपाल लौटने के लिए वंदेभारत ट्रेन पकड़नी थी, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। पिपरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टरों ने

उसे मृत घोषित कर दिया।

हृदय गति रुकने का संदेह

पिपरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मेडिकल अधिकारी डॉ. पूजा और डॉ. अनिता साहू ने नित्या का पोस्टमॉर्टम किया। प्रारंभिक जांच में हृदय गति रुकने से मौत का संदेह जताया गया है। विस्तृत जांच के लिए विसरा को प्रयोगशाला भेजा गया है।

बाबा महाकाल के आंगन में उमड़ा भक्तों का सैलाब, श्रद्धालु नए साल का कुछ इस तरह करेंगे आगाज

उज्जैन (ए.)। नए साल की शुरुआत करने भगवान महाकाल के आंगन में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ गया है। उज्जैन में अभी से श्रद्धालु भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने के लिए पहुंच रहे हैं। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति और जिला प्रशासन के साथ-साथ पुलिस ने भी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए व्यापक पैमाने पर इंतजाम किए हैं। महाकालेश्वर मंदिर में नव वर्ष पर लाखों श्रद्धालु हर साल भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने पहुंचते हैं।

नव वर्ष के अवसर पर अत्यधिक संख्या में दर्शन के लिए उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक दर्शन हेतु इस वर्ष भगवान महाकालेश्वर के दर्शन के लिए आने वाले सामान्य श्रद्धालु चारधाम मंदिर पार्किंग स्थल से निर्धारित प्रवेश द्वार संग्रहालय के समीप से नंदीद्वार भवन फेसेलिटी सेंटर 1 टनल शक्ति पथ त्रिवेणी श्री महाकाल महालोक मानसरोवर नवीन टनल 1 गणेश मण्डपम से भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर रहे हैं। दर्शन उपरांत आपातकालीन निर्गम द्वार से बाहर की ओर बड़ा गणेश मंदिर के समीप हरसिद्धि मंदिर तिराहा पुन: चारधाम मंदिर पर पहुंचकर अपने गन्तव्य की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। बताया जाता है कि श्रद्धालुओं की संख्या अधिक होने पर फेसेलिटी सेंटर 1 से मंदिर परिसर निर्गम रेम्प गणेश मण्डपम एवं नवीन टनल दोनों ओर से श्रद्धालुओं की दर्शन व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक होने पर फेसेलिटी सेंटर 1 से सीधे कार्तिकेय मण्डपम में प्रवेश कराकर दर्शन उपरांत द्वार नंबर 10 अथवा निर्माल्य द्वार के रास्ते बाहर की ओर प्रस्थान कराए जाने की व्यवस्था की जाएगी। श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिवषार्नुसार आनलाइन एवं ऑफलाइन भस्मार्ती पंजीयन बंद रखा जाकर कार्तिकेय मण्डपम रिक्त रखकर श्रद्धालुओं के लिए भस्मार्ती के दौरान चलित भस्मार्ती दर्शन की व्यवस्था प्रात: 4:15 से की जाएगी।

सागर में चने की फसल बढ़ाने के लिए किसान ने डाली रासायनिक दवा, पूरी फसल हुई खराब

सागर (ए.)। बाजार में कृषि कार्य की नकली दवाएं तथा रासायनिक कीटनाशक प्रचलन में है, जिनके शिकार होकर किसान अपनी फसल से हाथ धो बैठते हैं। ऐसा ही एक मामला सागर जिले की खुरई तहसील से सामने आया है। जहां अपनी फसल का बीज उपचार करने एक किसान की 35 एकड़ में बोई चने की फसल नष्ट हो गई। अब परेशान किसान दफ्तर-दफ्तर भटकने को मजबूर हो रहा है।

सागर की खुरई तहसील क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम मड़िया हिंदूपथ में किसान की 35 एकड़ चने की फसल रासायनिक दवा द्वारा उपचार से खराब हो गई। किसान ने एसडीएम कार्यालय पहुंचकर जनसुनवाई में शिकायत की, जिसके बाद किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने जांच दल गठित कर मौके पर निरीक्षण करने का आदेश जारी किया गया। उसके बाद गठित जांच दल में कृषि वैज्ञानिक व कृषि विभाग खुरई के अधिकारियों के द्वारा शिकायतकर्ता लोकेंद्र सिंह ठाकुर निवासी मड़िया हिंदूपथ के खेत पर जाकर नष्ट हुई फसल का निरीक्षण किया।फसल किस कारण खराब हुई, उसकी विस्तृत चर्चा हुई। जानकारी देते हुए कृषि विस्तार अधिकारी एसपी भारद्वाज ने बताया कि मढिया हिंदूपथ गांव के किसान ने शिकायत की थी कि यादव कृषि सेवा केंद्र के रामेश्वर यादव द्वारा बीज उपचार की दवा दी गई थी, जिससे 35 एकड़ की चना की फसल नष्ट हो गई। जांच दल ने मौके पर जाकर फ़सल देखी और सैंपल भी लिए, दुकान के भी सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। लैब से रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

एयरपोर्ट्स पर नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी, एएआई ने जारी की चेतावनी

इंदौर (ए.)। देश के एयरपोर्ट्स पर नौकरी दिलाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जहां फर्जी वेबसाइट और लिंक के माध्यम से ठगी की जा रही है। लोग खुद को एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एएआई) का अधिकारी बताकर नौकरी के इच्छुक व्यक्तियों से पैसे वसूल रहे हैं। इन धोखाधड़ी के मामलों को बढ़ते हुए देखकर एयरपोर्ट अथॉरिटी ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पेजों पर चेतावनी जारी की है। एएआई ने बताया कि ऐसे धोखेबाज फर्जी वेबसाइट और पेज बनाकर लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रहे हैं कि वे एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी हैं और नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे मांग रहे हैं।

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी

एएआई ने आवेदकों से अपील की है कि वे ऐसे किसी भी फर्जी व्यक्ति या वेबसाइट के झांसे में न आएं। यदि किसी को एयरपोर्ट अथॉरिटी में नौकरी के लिए आवेदन करना है, तो उन्हें सिर्फ एयरपोर्ट अथॉरिटी की आधिकारिक वेबसाइट www.aai.aero पर ही जाना चाहिए।

अब बिना हेलमेट बाइक चालकों को नहीं मिलेगा पेट्रोल, ई-रिक्शा ऑटो पर नंबरिंग भी होगी अनिवार्य

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा में अब बिना हेलमेट के बाइक सवार को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ये आदेश मंगलवार को हुई सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जारी किए गए है। छिंदवाड़ा कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अजय पांडे की मौजूदगी में हुई। इस बैठक में सड़क दुर्घटनाओं में बाइक सवारों की मौत को लेकर बिना हेलमेट पर पुन: सख्ती से कार्रवाई करने पर विशेष जोर दिया गया। जिले में हेलमेट का उपयोग न करने पर सड़क दुर्घटनाओं में हो रही मौत को रोकने के लिए बिना हेलमेट बाइक चालकों को पेट्रोल न दिए जाने के निर्देश पेट्रोल पंप चालकों को दिए गए हैं। वहीं, जो इसका पालन नहीं करेगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की बात कही गई है।

छिंदवाड़ा सिवनी नेशनल हाईवे की होगी मरम्मत

बैठक में छिंदवाड़ा-सिवनी राष्ट्रीय राजमार्ग हुए गड्ढों को लेकर का कलेक्टर ने परियोजना निदेशन एन.एच.ए.आई. को निर्देश दिये कि मार्ग की मरम्मत और गड्ढा मुक्त करने के कार्य को प्राथमिकता के साथ 20 जनवरी के पहले पूरे कर लिया जाए, ताकि इस पर आवागमन सुगम हो सके।

दिसंबर बीता, नहीं हुआ इंदौर में स्वच्छता सर्वेक्षण, जनवरी के दूसरे सप्ताह तक आ सकती है टीम

इंदौर (ए.)। सात बार लगातार स्वच्छता में नंबर वन का ताज पहनने वाले इंदौर का स्वच्छता सर्वेक्षण अभी तक नहीं हो पाया है। उम्मीद थी कि दिसंबर माह में टीम आएगी। इसके लिए नगर निगम ने खूब तैयारियां की। वॉल पेंटिंग हुई, नालों की सफाई की, सड़कें मशीनों से साफ हुई, लेकिन दिल्ली से टीम नहीं आई। इस कारण तैयारियां धरी रह गई। 15 जनवरी तक सर्वे के लिए टीम आने की संभावना है। इसके चलते फिर सफाई अमला सक्रिय हो चुका है। सोमवार रात खुद निगमायुक्त शिवम वर्मा सफाई व्यवस्था का जायजा लेने निकले और वार्ड 46 में सफाई संतोषजनक नहीं पाए जाने पर सफाई दरोगा विजय नरवले को निलंबित कर दिया। इसके अलावा जोन दस के सहायक सीएसआई संजय वेद का तीन दिन का वेतन काटने के निर्देश भी दिए। निगमायुक्त पाटनीपुरा चौराहा, विजय नगर, नेहरू नगर, विकास नगर सहित अन्य क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था देखने पहुंचे थे। स्वच्छता सर्वेक्षण वर्ष 2024 के लिए होना है, इसलिए माना जा रहा है कि जनवरी के दूसरे सप्ताह तक सर्वे देश भर में शुरू हो जाएगा।

ट्रेन की चपेट में आने से शख्स की मौत, शव के ऊपर से गुजरी कई ट्रेनें, परिजनों ने किया हंगामा

शहडोल (ए.)। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला शहडोल जिले में सामने आया है। जहां एक व्यक्ति की ट्रेन से कटकर मौत हो गई, जिसके बाद इसकी जानकारी जीआरपी और संबंधित थाना पुलिस को दी गई। लेकिन पुलिस को पहुंचने में देरी हो गई। इस बीच पांच घंटे के भीतर कई ट्रेन उस शव के ऊपर से गुजर गई।

घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों ने देखा कि शव के ऊपर से कई ट्रेन गुजर रही हैं, जिसके बाद परिजनों ने हंगामा शुरू किया। उसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कार्रवाई कर शव को मौके से उठवा गया है, जिसके बाद मामला शांत हुआ है। घटना बुढार रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक की है।

बुढार स्टेशन के प्लेटफ़ार्म नम्बर एक में सुबह छह बजकर 34 मिनट पर यह हादसा कानपुर से दुर्ग जाने वाली बेतवा एक्सप्रेस से हुआ। मृतक रायपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। इस हादसे के बाद मानवता को शर्मसार करने वाला वाक्या पेश आया। सुबह साढ़े छह बजे से लेकर दोपहर 12 बजे तक शव रेल ट्रैक पर ही खुला हुआ पड़ा रहा। इस बीच लाश के ऊपर से एक-एक कर तीन यात्री ट्रेन धड़ाधड़ गुजरते चली गई, जिससे शव और अधिक क्षत-विक्षत होता चला गया। रेल पुलिस और स्टेशन मास्टर की जानकारी के बाद भी वैकल्पिक रेल ट्रैक बुढार स्टेशन में होने के बाद भी लाश के ऊपर से ट्रेने गुजरने के कारण परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा, जिसके बाद बुढार स्टेशन में जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान स्टेशन में काफी यात्री भी मौजूद रहे, जिन्होंने रेल प्रबन्धन और रेल पुलिस की इस लापरवाही की कड़ी निंदा करते हुए मानव संवेदनशीलता के विपरीत बताया। जानकारी के अनुसार, कानपुर सेंट्रल से दुर्ग तक जाने वाली बेतवा एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 18204 सुबह करीब छह बजकर 34 मिनट पर बुढार स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक से गुजर रही थी। इस बीच उसमें सवार एक यात्री ट्रेन से नीचे पटरी पर गिर गया।

आगामी एक मार्च से पातालकोट एक्सप्रेस हो जाएगी सुपरफास्ट, आसान होगा छिंदवाड़ा से दिल्ली का सफर

छिंदवाड़ा (ए.)। छिंदवाड़ा से पातालकोट एक्सप्रेस में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। आने वाले मार्च महीने से पातालकोट एक्सप्रेस और भी सुपरफास्ट होगी। रेलवे विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, नए साल के तीसरे महीने मार्च से पातालकोट एक्सप्रेस के पहिए और अधिक तेज रफ्तार से दौड़ेंगे।

1 जनवरी 2025 से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे फिरोजपुर फिरोजपुर-सिवनी-गाड़ी नंबर 14624114623 को सुपरफास्ट बना रहा है। गौरतलब है कि प्रतिवर्ष एक जनवरी को रेलवे विभाग समय सारणी में परिवर्तन करता है। ऐसे में इस गाड़ी के समय में भी आंशिक परिवर्तन होना संभव है। हालांकि, अभी समय परिवर्तन किए जाने की सूचना नहीं है।

एक मार्च से बनाया जाएगा सुपरफास्ट

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चल रही 14624114623 फिरोजपुर-सिवनी-फिरोजपुर पातालकोट एक्सप्रेस को एक मार्च 2025 से सुपरफास्ट बनाया जा रहा है। इस गाड़ी के ट्रेन नंबरों में एवं समय सारणी में परिवर्तित किया जा रहा है।

अभी लगता था काफी समय

दरअसल, पातालकोट एक्सप्रेस को दिल्ली पहुंचने में काफी वक्त लगता था। लेकिन समय सारणी बदल जाने और सुपरफास्ट हो जाने के कारण ट्रेन समय पर पहुंच जाएगी। रेलवे विभाग के मुताबिक, एक मार्च से सुपरफास्ट हो जाएगी। इसके बाद लोगों को काफी फायदा पहुंचेगा। यहां तक की रेलवे विभाग के द्वारा समय सारणी में भी परिवर्तन करने की बात कही जा रही है।

व्यापार समाचार

सोना 2025 में भी रिकॉर्ड छलांग के लिए तैयार, वैश्विक संकेतों से भाव ? 90 हजार तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली (ए.)। सुरक्षित निवेश के रूप में सोने का भाव नए साल में भी रिकॉर्ड स्तरों तक पहुंच सकता है। कीमतें 85,000 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती हैं। अगर भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं जारी रहती हैं तो घरेलू बाजार में यह 90,000 रुपये के स्तर तक भी पहुंच सकता है। मौद्रिक नीति में नरम रुख और केंद्रीय बैंकों की खरीद से भी सोने में तेजी को मदद मिल रही है। हालांकि यदि भू-राजनीतिक संकट कम हो जाए, तो रुपये के मूल्य में गिरावट थमने के कारण कीमती धातु कमजोर पड़ सकती है। वर्तमान में हाजिर बाजार में सोने का भाव 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर वायदा कारोबार में 76,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर चल रहा है।

2024 में सोने ने दिया 23 प्रतिशत रिटर्न, चांदी में 30 प्रतिशत बढ़त

सोने ने 2024 में अपने नए शिखर पर पहुंचने के साथ मजबूत प्रदर्शन किया। दौरान घरेलू बाजार में सोने में 23 प्रतिशत रिटर्न दर्ज किया गया। 30 अक्तूबर को पीली धातु ने 82,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ। चांदी ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर को पार कर गई। वैश्विक स्तर पर, कॉमेक्स सोना वायदा ने वर्ष की शुरुआत लगभग 2,062 डॉलर प्रति औंस पर की और 31 अक्टूबर को 2,790 डॉलर प्रति औंस के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जिससे 28 प्रतिशत तक का रिटर्न मिला, जिससे वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच सोने का आकर्षण मजबूत हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंक की खरीद और प्रमुख केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में कमी की ओर रुख के कारण 2025 में भी कीमती धातुएं मजबूत प्रदर्शन करेंगी।

2025 में 85 हजार से 90 हजार के स्तर तक पहुंच सकता है सोना

एलकेपी सिक्योरिटीज के वीपी रिसर्च एनालिस्ट- कमोडिटी एंड करेंसी, जतिन त्रिवेदी ने पीटीआई को बताया कि 2025 में सोने के लिए दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है, हालांकि 2024 की तुलना में विकास की गति धीमी हो सकती है। उन्होंने कहा, "घरेलू स्तर पर सोने की कीमतें 85,000 रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि सर्वोत्तम स्थिति में यह 90,000 रुपये तक पहुंच सकती है। यदि भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है या बढ़ता है तो चांदी की कीमतें मामूली बढ़त के साथ 1.1 लाख रुपये तक पहुंच सकती हैं और यहां तक कि 1.25 लाख रुपये तक भी पहुंच सकती हैं।

सर्राफा बाजार की चाल पर केंद्रीय बैंकों के फैसले का पड़ेगा असर

त्रिवेदी के अनुसार, बुलियन मार्केट के लिए के लिए ब्याज दर चक्र भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वैश्विक स्तर पर दरें घटने से बाजार में तरलता आएगी और अमेरिकी डॉलर कमजोर होगा। ऐसा हुआ तो सोने की कीमतों को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, ब्याज दरों में कटौती के मामले में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सतर्क रुख से कीमतों में बढ़ोतरी की गति धीमी पड़ सकती है। त्रिवेदी ने कहा कि इसके अलावा, विविधीकरण रणनीतियों और मुद्रा स्थिरता को लेकर चिंताओं के कारण केंद्रीय बैंकों द्वारा निरंतर सोने की खरीद से बुलियन को मजबूत समर्थन मिलेगा। वर्ष 2024 में सोने की मांग और आपूर्ति की गतिशीलता को कई कारकों ने आकार दिया है, जिसमें अशांत भू-राजनीतिक परिदृश्य भी शामिल है। रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में तनाव के कारण सुरक्षित निवेश के लिए बुलियन की मांग बढ़ी है, जिससे इस साल इसकी कीमतों पर असर पड़ा है।

संशोधित और विलंबित आईटीआर दाखिल करने की समयसीमा बढ़ी, 15 जनवरी 2025 तक मिलेगी सुविधा

नई दिल्ली (ए.)। आयकर विभाग ने भारतीय निवासी व्यक्तियों के लिए संशोधित और विलंबित आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने की समयसीमा 15 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दी है। जिन व्यक्तियों ने समयसीमा पर या उससे पहले आईटीआर दाखिल कर दिया है, वे आवश्यकता पड़ने पर संशोधित दाखिल कर सकते हैं। विलंबित ITR वे लोग दाखिल कर सकते हैं जिन्होंने समयसीमा पर या उससे पहले कोई ITR दाखिल नहीं किया हो। आइए इस बारे में और जानें।

आयकर विभाग ने भारतीय निवासी व्यक्तियों के लिए संशोधित और विलंबित आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने की समयसीमा 15 जनवरी, 2025 तक बढ़ा दी है। जिन व्यक्तियों ने समयसीमा पर या उससे पहले आईटीआर दाखिल कर दिया है, वे आवश्यकता पड़ने पर संशोधित दाखिल कर सकते हैं। विलंबित ITR वे लोग दाखिल कर सकते हैं जिन्होंने समयसीमा पर या उससे पहले कोई ITR दाखिल नहीं किया हो और अब ढ्ढञ्जक्रदाखिल करना चाहते हों। एकल व्यक्तियों के लिए आईटीआर दाखिल करने की मूल समय सीमा 31 जुलाई, 2024 थी।

शेयर बाजार में 2024 का समापन लाल निशान पर; सेंसेक्स 109 अंक फिसलकर हुआ बंद, निफ्टी सपाट

नई दिल्ली(ए.)। विदेशी संस्थागत निवेशकों की निकासी लगातार जारी रहने और वैश्विक बाजारों के कमजोर संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजार में वर्ष 2024 के अंतिम कारोबारी दिन बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए। इस दौरान सेंसेक्स में 109 अंकों की गिरावट रही, वहीं निफ्टी लगभग स्थिर रहा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 109.12 अंक यानी 0.14 प्रतिशत गिरकर 78,139.01 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 687.34 अंक गिरकर 77,560.79 पर पहुंच गया था। हालांकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी शुरुआती गिरावट से काफी हद तक उबरने में सफल रहा और अंत में 0.10 अंक की मामूली गिरावट के साथ 23,644.80 पर बंद हुआ। इस तरह घरेलू बाजार में वर्ष 2024 का समापन गिरावट के साथ हुआ। हालांकि इस साल सेंसेक्स कुल 5,898.75 अंक यानी 8.16 प्रतिशत उछला है जबकि निफ्टी में 1,913.4 अंक यानी 8.80 प्रतिशत की तेजी रही है। सेंसेक्स ने इस साल 27 सितंबर को 85,978.25 के अपने रिकॉर्ड शिखर को छुआ था। निफ्टी भी उस दिन 26,277.35 के अपने अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि उसके बाद दोनों ही सूचकांकों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी रहा।

मंगलवार को कारोबार के दौरान सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से टेक महिंद्रा, जोमैटो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में गिरावट रही। दूसरी तरफ कोटक महिंद्रा बैंक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और टाटा मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी

संकेत साफ है। श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। दिसानायके ने यह दो टूक भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनूरा कुमारा दिसानायके की यात्रा से भारत को दो आश्वासन मिले। पहला तो यही कि दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में अपनी विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। नई दिल्ली में उसका मतलब यह समझा गया है कि श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। फिर दिसानायके ने भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी। मतलब यह समझा गया कि चीनी खोजी एवं अन्य जहाजों को श्रीलंका में लंगर डालने की अनुमति दी भी गई, तो श्रीलंका सरकार सुनिश्चित करेगी कि वे वहां से भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। दिसानायके अगले महीने चीन जाने वाले हैं। चूंकि भारत में पड़ोसी देशों के चीन से संबंध को लेकर एक खास तरह की संवेदनशीलता रहती है, इसलिए निश्चित रूप से यहां के कूटनीतिकों की नजर उस यात्रा पर रहेगी। फिलहाल, यह साफ हुआ है कि श्रीलंका की नई सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हैं। 2022 में जिस आर्थिक संकट में देश फंसा था, उसके असर से आज भी नहीं उबर पाया है। ऊपर से आईएमएफ से लिए गए कर्ज की शर्तों ने सरकार के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में भारत जैसे बड़े पड़ोसी देश के साथ किसी विवाद में उलझने का जोखिम वहां की सरकार शायद ही उठा सकती है। मगर वह चीन की उपेक्षा करने की स्थिति में भी नहीं है, जिसका बहुत भारी निवेश श्रीलंका में है। संकेत यह है कि दिशानायके इन दोनों बड़े देशों की संवेदनशीलताओं का ख्याल करते हुए फिलहाल दोनों से सद्भावपूर्ण संबंध को प्राथमिकता दे रहे हैं। नई दिल्ली में यह संदेश देने के बाद उनकी कोशिश बीजिंग में भी ऐसा ही पैगाम देने की होगी। बहरहाल, भारत यात्रा के दौरान, जैसाकि अक्सर शिखर नेताओं की यात्रा के समय होता है, कुछ महत्त्वपूर्ण व्यापार एवं रक्षा समझौते भी हुए। इनसे भी सकारात्मक प्रभाव पैदा हुआ है। भारत के लिए अच्छी बात है कि जिस समय विभिन्न पड़ोसी देशों से चुनौती भरे संकेत आ रहे हैं, श्रीलंका ने उसे आश्वस्त किया है।

दक्षेस से भारत को सतर्क रहने की जरूरत

डॉ. ब्रह्मदीप अलूने

महाशक्तियों की राजनीतिक और आर्थिक महत्त्वाकांक्षाओं ने तीसरी दुनिया के उभरने की संभावनाओं को सुनियोजित तरीके से खत्म कर दिया है। इसका प्रतिबिंब है दक्षिण एशिया और इन देशों का क्षेत्रीय संगठन दक्षेस जिसे सार्क भी कहा जाता है।

अमेरिकी प्रभाव में पाकिस्तान की जमीन का सैन्य कार्यों के लिए उपयोग और नेपाल के आधे-अधूरे लोकतंत्र पर चीनी कम्युनिज्म की काली छाया के चलते दक्षिण एशिया के देशों को एकजुट रखने का ख्वाब कई दशकों पहले ही टूट चूका है। इस क्षेत्र में विभिन्न देशों के बीच राजनीतिक मुद्दों पर गहरे तनाव बढ़े हैं तथा सांस्कृतिक टकराव की स्थितियां भी निर्मित हो गई है।

इन जटिल स्थितियों ने सबसे ज्यादा चोट दक्षेस की स्थापना को पहुंचाई है जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया को एकजुट करना और इसके देशों के बीच समृद्धि, विकास और शांति को बढ़ावा देना बताया जाता था। हाल ही में बांग्लादेश और पाकिस्तान के राष्ट्राध्यक्ष किसी तीसरे देश में मिले और उनके बीच सार्क को पुनर्जीवित करने पर बात हुई तो इसमें संभावनाएं कम और मनोवैज्ञानिक दबाव की कूटनीति ज्यादा नजर आई। दरअसल, बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद भारत के इस पड़ोसी देश की राजनीतिक परिस्थितियों में भी भारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। लंबे समय से सत्ता पर काबिज शेख हसीना के खिलाफ छात्रों का आंदोलन देश में राजनीतिक परिवर्तन के तौर पर देखा जा रहा था, लेकिन बाद में कट्टरपंथी शक्तियों के प्रभाव में अब यह भारत विरोध के आंदोलन में परिवर्तित हो गया है।

बांग्लादेश की मौजूदा अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद युनूस की पाकिस्तान के साथ राजनीतिक मुद्दों पर समाधान की जल्दबाजी की कोशिशों में सकारात्मक पहल से ज्यादा भारत पर मनौवैज्ञानिक दबाव बनाने की कूटनीति ज्यादा नजर

आ रही है और इसकी छाया दक्षिण एशिया के देशों के बीच आपसी सहयोग की संभावनाओं को पूरी तरह खत्म कर सकती है। सार्क में आठ देश भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मालदीव और अफगानिस्तान शामिल है। 8 दिसम्बर 1985 को काठमांडू, नेपाल से शुरू हुए इस क्षेत्रीय संगठन को तीसरी दुनिया के हितों के संरक्षण के लिए उम्मीदों के तौर पर देखा गया था और यह विश्वास किया गया था कि यह एक साझी आवाज होगी जिससे इन देशों को वैश्विक मंच पर अपने मुद्दों को उठाने में मदद मिल सके। दक्षेस का पहला शिखर सम्मेलन 1985 में आयोजित हुआ था और इसके बाद से यह संगठन तमाम विरोधाभासों के बाद भी विभिन्न देशों के नेताओं की बैठकें आयोजित करता रहा है। यह संगठन क्षेत्रीय संघर्ष, आतंकवाद, नशीले पदाथरे की तस्करी और सीमा विवादों के समाधान के संभावनाओं पर भी काम करता है। दक्षिण एशिया दुनिया की सबसे पुरानी ज्ञात सभ्यताओं में से एक सिंधु सभ्यता का घर है और दुनिया की सबसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है। जातीय, भाषाई और राजनीतिक विखंडन के इतिहास के बावजूद, इस क्षेत्र के लोग एक समान सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टिकोण से एकजुट माने जाते हैं। वैश्विक भुखमरी सूचकांक की एक रिपोर्ट में भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका की स्थिति बेहद निम्नतम बताई गई है। जलवायु परिवर्तन और कोविड महामारी से भुखमरी का संकट तो बढ़ा ही है साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की समस्याएं भी विकराल हो गई है। दक्षिण एशिया के कई देश राजनीतिक उथल-पुथल के शिकार रहे हैं और भारत को छोड़कर अन्य देशों में अस्थिरता का अंदेशा बना रहता है। दक्षेस की स्थापना का उद्देश्य दक्षिण एशिया में आपसी सहयोग से शांति और प्रगति हासिल करना बताया गया था, लेकिन विभिन्न देशों के बीच विवाद इस पर पूरी तरह हावी रहे और इसी का परिणाम है कि दुनिया की बड़ी आबादी वाला यह संगठन आर्थिक समस्याओं का समाधान करने में विफल रहा है। चीन जैसी विदेशी संस्थाओं पर बहुत अधिक निर्भरता ने पाकिस्तान को आर्थिक रूप से कमजोर बना दिया है। इसका नतीजा यह हुआ है कि पाकिस्तान के पास अपने आयात बिलों का भुगतान करने के लिए कोई विदेशी जमा पूंजी शेष नहीं बची है। नेपाल और श्रीलंका की भी कुछ यही स्थिति है। दक्षिण एशिया में अफगानिस्तान का मानवीय संकट बेहद गंभीर अवस्था में पहुंच गया है। तालिबान के सत्ता में आने के बाद देश गरीबी से बेहाल है।

यहां दो करोड़ से ज्यादा लोगों पर भुखमरी का संकट गहरा रहा है और लोगों की जिंदगी मुश्किल में है। तालिबान के आने के बाद वैश्विक आर्थिक मदद बंद हो गई है और अमेरिका ने उस पर कई प्रतिबंध भी लगा दिए हैं। अफग़ान सरकार की संपत्ति,केंद्रीय बैंक का रिज़र्व सब फ्रीज़ कर दिया गया है। प्रतिबंधों के कारण वहां की अर्थव्यवस्था लडख़ड़ा गई है। मालदीव,बंगलादेश औए श्रीलंका चीन की कर्ज नीति के जाल में पूरी तरह फंस चूके है। दक्षिण एशिया की बहुसांस्कृतिक पहचान है और सभी देशों को अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने देने के लिए सतर्क रहने की जरूरत होती है। इस समय आवश्यकता इस बात की है कि दक्षेस के देश आपसी व्यापार और सम्बन्धों को बेहतर करके आपसी सहयोग को बढ़ाएं।

चीन जैसे देश का हस्तक्षेप दक्षिण एशिया के देशों के लिए घातक साबित हो रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान दक्षिण एशिया में भारत के विकल्प के तौर पर चीन को प्रस्तुत करना चाहते है। इस क्षेत्र में चीन के लिए युआन को मजबूत करने के गहरे अवसर भी है। युआन कूटनीति में अधिनायकवाद, साम्यवादी आक्रामकता और मानवाधिकारों की अनदेखी शामिल है। राजनीतिक अस्थिरता से अभिशिप्त दक्षिण एशिया में चीनी प्रभाव पृथकतावाद को बढ़ावा दे रहा है और कई देशों की संप्रभुता को भी खतरे में डाल रहा है। भारत पर सामरिक दबाव बढ़ाने के लिए चीन ने भारत के पड़ोसी देशों में सहायता की कूटनीति से अपना प्रभाव बढ़ाया है। अब दक्षेस पर उसकी नजर है। दक्षेस में कभी भारत की राजनीतिक हैसियत बहुत मजबूत हुआ करती थी, लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी है। भविष्य में यह भारत विरोधी देशों का मंच नहीं बन जाए इसे लेकर भारत को सतर्क रहने की जरूरत है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में श्री बड़े हनुमान जी मंदिर में पूजा की.

सिंचाई के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने वर्ष 2024 में लिखा नया अध्याय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के अथक प्रयासों के फलस्वरुप वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश में सिंचाई के क्षेत्र में नया अध्याय लिखा गया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेई के "नदी जोड़ो" के सपने को साकार करते हुए प्रदेश में देश की दो बड़ी अति महत्वाकांक्षी एवं बहुउद्देशीय सिंचाई परियोजनों का आगाज हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में 17 दिसंबर को जयपुर में पार्वती- कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना पर मध्य प्रदेश, राजस्थान और केन्द्र सरकार के बीच अनुबंध सहमति पत्र (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) हस्ताक्षरित किए गए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 25 दिसंबर को खजुराहो, छतरपुर में केन-बेतवा राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना का शिलान्यास किया। केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना, देश में भूमिगत दाब युक्त पाइप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाली सबसे पहली और बड़ी सिंचाई परियोजना है।

मध्यप्रदेश सरकार किसान हितैषी सरकार है। इसे सबसे ज्यादा फिक्र अपने अन्नदाता की रहती है। सरकार निरंतर हर खेत तक पानी पहुंचाने के कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जल संसाधन मंत्री श्री तुलसी राम सिलावट के नेतृत्व में प्रदेश के जल संसाधन विभाग की विभिन्न वृहद, मध्यम एवं सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से मध्य-प्रदेश में निरंतर सिंचाई का रकबा बढ़ रहा है। किसान पहले दो फसल ले पाते थे, अब तीसरी फसल भी लेने लगे हैं। साथ ही कृषि उत्पादन में भी वृध्दि हुई है। प्रदेश की धरती सुजलाम सुफलाम हो रही है।

सरकार के निरंतर प्रयासों से प्रदेश में सिंचाई के रकबे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2003 में जहां प्रदेश का सिंचाई रकबा लगभग 3 लाख हेक्टेयर था, आज बढ़कर लगभग 50 लाख हेक्टेयर हो गया है। प्रदेश की निर्मित और निर्माणाधीन सिंचाई परियोजनाओं से प्रदेश में वर्ष 2025-26 तक सिंचाई का रकबा लगभग 65 लाख हेक्टेयर होने की संभावना है। सरकार ने वर्ष 2028-29 तक प्रदेश की सिंचाई क्षमता 1 करोड़ हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और उसके लिए प्रदेश में तेज गति से कार्य किया जा रहा है। सरकार ने विभाग के लिए बजट में भी पर्याप्त राशि का प्रावधान किया है। वर्ष 2024-25 के बजट में सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण एवं संधारण के लिए 13 हजार 596 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

इस परियोजना से मध्यप्रदेश के 10 जिलों छतरपुर, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, दमोह, शिवपुरी, दतिया, रायसेन, विदिशा और सागर में 8 लाख 11 हजार हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई की सुविधा मिलेगी और 44 लाख किसान परिवार लाभान्वित होंगे। फसलों के उत्पादन एवं किसानों की आय में वृद्धि से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी और जल विद्युत परियोजनाओं के निर्माण से हरित ऊर्जा में 103 मेगावॉट योगदान के साथ रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। बेहतर जल प्रबंधन एवं औद्योगिक इकाइयों को पर्याप्त जल आपूर्ति से औद्योगिक विकास होगा और रोजगार को बढ़ावा भी मिलेगा। इस परियोजना से उत्तर प्रदेश में 59 हजार हेक्टेयर वार्षिक सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी एवं 1.92 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में मौजूदा सिंचाई का स्थिरीकरण किया जायेगा, जिससे उत्तर प्रदेश के महोबा, झांसी, ललितपुर एवं बांदा जिलों में सिंचाई सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना से मध्यप्रदेश की 44 लाख और उत्तर प्रदेश की 21 लाख आबादी को पेयजल की सुविधा उपलब्ध होगी

पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी लिंक परियोजना से मालवा और चंबल क्षेत्र की तस्वीर एवं तकदीर बदलेगी। सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में तरक्की होगी। इस परियोजना से प्रदेश के मालवा और चंबल क्षेत्र में 6 लाख 13 हजार 520 हेक्टेयर में सिंचाई होगी और 40 लाख की आबादी को पेयजल उपलब्ध होगा। इसके अतिरिक्त लगभग 60 वर्ष पुरानी चंबल दाईं मुख्य नहर एवं वितरण तंत्र प्रणाली के आधुनिकीकरण कार्य से भिंड, मुरैना एवं श्योपुर जिलों के 1205 ग्रामों में 03 लाख 62 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में कृषकों की मांग अनुसार पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

मेष राशि-आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार वालों का हंसी-मजाक भरा बरताव घर के वातावरण को और खुशनुमा बनाये रखेगा, साथ ही आपकी निजी लाइफ बेहतर रहेगी। आज आपके विरोधी आपसे काम में आपकी राय मागेंगे। सरकारी विभाग के लोगों की नौकरी में सुखद परिवर्तन आयेगा, ट्रान्सफर से जुड़ी अच्छी खबर मिलेगी।

वृष राशि-आज आपका दिन मिला-जुला रहने वाला है। आज किसी काम के सिलसिले में भाग-दौड करेंगे। इस राशि के छात्र जो किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें जल्द सफलता मिलेगी। आज दान पुण्य के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। आज आपकी बातों से दोस्त प्रभावित होंगे। गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। व्यापारियों को आज अधिक लाभ होगा।

मिथुन राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको जरूरतमंद लोगों की मदद करने का मौका मिलेगा, इससे आपको बेहद खुशी मिलेगी। आज किसी समान की श्व.रूद्ध. पूरी हो जाएगी, नया समान लेने का भी मन बनायेंगे। आज बच्चे अपने किसी निर्णय में आपकी सलाह लेंगे। आज ऑफिस के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। स्वास्थ्य के नजरिये से आज का दिन अच्छा रहेगा। आप दूसरों के साथ बेहद व्यवहारिक रहेंगे। अपनी बात को सकारात्मक ढ़ंग से लोगों के सामने रखेंगे, तो फायदा होगा।

कर्क राशि-आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। आप अपने व्यस्त दिनचर्या में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, उनके साथ खूब इंजॉय करेंगे। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। शिक्षकों के ट्रान्सफर की परेशानियां खत्म होंगी। आज व्यापार में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन बढ़िया रहेगा। पारिवारिक मुद्दों पर फैसले लेने के लिए आज का दिन अच्छा है। घर में सभी के साथ अच्छा तालमेल बना रहेगा।

सिंह राशि-आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थल पर जा सकते है। आज आपका मन किसी रचनात्मक कार्य में लगेगा। आज लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा जो आपके लिए मददगार साबित होगा। होटल के कारोबारियों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होने वाला है। साथ ही आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। आज परिवार के लोगों के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जाएंगे। आज वाहन चलाते समय आपको सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

कन्या राशि-आज आपका दिन नई उमंगें लेकर आया है। काफी समय से किसी उलझन में पड़े लोग, आज उसका समाधान ढूंढ लेंगे। नौकरी कर रहे लोगों को आज तरक्की के अवसर मिलेंगे। आपकी बात करने की कला से लोग प्रभावित होंगे। आपकी तरक्की के चांसेस बढ़ेंगे। परिवार में एक दूसरे को समझकर आगे बढ़ेंगे। आज आपका स्वास्थ्य फिट रहने वाला है। इस राशि के कपड़ा व्यापारी अपने कारोबार को और बढ़ाने का विचार करेंगे।

तुला राशि-आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे, उनके मन की बातों को समझेंगे। आज बाहर के ऑयली खाने को जहां तक हो सके अवॉयड करें। आज बिना किसी के मदद के भी आप धन कमा पानेस में सक्षम होंगे, बस आपको खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। दोस्तों के साथ आज मूवी देखने का प्लान कर सकते हैं। बुजुर्गों को अपनी सेहत में बदलाव नजर आएगा, जिससे आप बेहतर महसूस होगा। आज अपनी गलतियों को सुधारने का दिन है। आपको कुछ कार्यों से उलझन हो सकती है।

वृश्चिक राशि-आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। जॉब की तलाश कर रहे लोगों को किसी अच्छी कंपनी में जॉब मिलेगी। छात्रों का आज पढ़ाई में मन लगेगा। साथ ही किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे। आज किसी को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। अपने रुके कार्य को पूरी मेहनत से आज पूरा कर लेंगे। आपके दांपत्य जीवन में सुख सौहार्द बढ़ेगा, साथ ही बच्चों के साथ पिकनिक का प्रोग्राम बना सकते हैं। बॉस आपकी मेहनत से खुश होंगे।

धनु राशि-आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज व्यक्तिगत जीवन की जिम्मेदारियों का निर्वाहन करेंगे। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों को अन्य लोगों का समर्थन मिलेगा। लोग आपके कार्यों की तारीफ करेंगे। अपने बिजी दिन में कुछ समय अपने लिए निकालेंगे, उस समय में आप अपना पसंदीदा कार्य करेंगे। आज आप अपने बच्चों को लेकर शॉपिंग मॉल जाएंगे, जहां बच्चे काफी खुश नजर आएंगे। पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी।

मकर राशि-आज आपका दिन खुशी से भरा रहेगा। अपनी क्षमताओं को पहचाने क्योंकि आपके अंदर ताकत की नहीं बल्कि इच्छाशक्ति की कमी है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर्स को प्रमोशन के अच्छे चांस मिलेंगे। आज बेटी के परीक्षा का अच्छे रिजल्ट से पारिवारिक माहौल खुशनुमा बनेगा। आपको किसी रिश्तेदार को दिया धन वापस मिल जायेगा। साथ ही अधूरी कार्य योजनाओं को पूरा करने में बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा।

कुंभ राशि-आज आपका दिन बढ़िया रहने वाला है। आज शुभ समाचार मिलने के योग बने हुए है, जिससे पूरे दिन आप खुश रहेंगे। आज आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे, किसी भी अवसर को हाथ से न जाने दें। आज आपकी कोशिशें कामयाब होंगी। आज आप पिता द्वारा दी गयी जिम्मेदारियां निभाने का पूर्ण प्रयास करेंगे। आज व्यापार में स्थिति अनुकूल बनी रहेगी। इस राशि के छात्रों को सफलता तक पहुंचने में कामयाबी मिलेगी।

मीन राशि-आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपकी वाणी में मधुरता आएगी, जिससे लोग आपकी बातों से प्रभावित होंगे। पेट की समस्या से परेशान लोगों को ऑयली खाने से बचना चाहिए। आज संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। आज आपको आय के स्त्रोत मिलेंगे।

एक अच्छे, भले और नेक प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह

हरिशंकर व्यास

शीर्षक चौंका सकता है। पर जरा समकालीन भारत अनुभवों और उनकी दिशा में झांके तो अगले बीस-पच्चीस वर्षों की क्या भारत संभावना दिखेगी? भारत पिछले दस वर्षों की विरासत में कदम उठाता हुआ होगा। इस विरासत का मंत्र और अनुभव बुद्धि नहीं लाठी है। हार्वर्ड नहीं हार्डवर्क है। सत्य नहीं झूठ है। सौम्यता नहीं अहंकार है। विनम्रता नहीं निष्ठुरता है। कानून नहीं बुलडोजर है। मान मर्यादा नहीं लंगूरपना है। विचार और बहस नहीं गाली तथा ट्रोल है। तर्क नहीं है लाठी है। प्रबुद्धता नहीं मूर्खता है। चाल, चेहरा, चरित्र नहीं, बल्कि अकड़, लालच और कदाचार है। इस तरह का निष्कर्ष 2014 के समय में अकल्पनीय था। तब अन्ना हजारे, रामदेव, अरविंद केजरीवाल, नरेंद्र मोदी के हुंकारों, आंदोलनों के उमड़े जन सैलाबों की तलहटी में सत्य छुपा हुआ था। अज्ञात था। ऐसा होना हम हिंदुओं की नियति से है। हिंदुओं का भाग्य है जो वह गांधी के पीछे चले या अन्ना हजारे के या हाथ में कमल ले कर चले या झाड़ू, उसे वही झूठा अवतार मिलता है जो उसकी कलियुगी नियति है।

उस नाते डॉ. मनमोहन सिंह स्वतंत्र भारत के इतिहास में अपवाद थे। वे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिनकी शख्सियत ने झूठ, फरेब से लोगों का बहकाने, लोगों में जादू बनाने, दैवीय अवतार की इमेज बनाने, लोगों को डराने धमकाने या उनके वोट खरीदने जैसा वह कोई छल नहीं किया, वह राजनीति नहीं की जो आजाद भारत की राजनीति का ट्रेंडमार्क है। बावजूद इसके वे भारत के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री थे। उसी के कर्म फल में वैश्विक बिरादरी तक ने, उन्हे स्मरण करते हुए एक युगांतरकारी, बुद्धिमान, समझदार, सौम्य और श्रेष्ठ प्रधानमंत्री की सच्ची भाव भंगिमा में श्रद्धांजलि दी है।

यह वस्तुनिष्ठ श्रद्धांजलि पिछले दस वर्षों के नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल के शासन अनुभवों के परिप्रेक्ष्य में, समकालीन अनुभवों के संदर्भ तथा भारत की भावी दिशा के भान से भी है। इतिहास की कसौटी है जो घटना और नेतृत्व का मूल्यांकन पचास साल बाद किया जाता है। कोई युद्ध हुआ, राजा या प्रधानमंत्री मरा तो उसके बाद के अनुभवों, प्रभावों के पच्चीस-पचास साल बाद ही इतिहास फैसला लेता है कि नेहरू ने भारत बनाया था या बिगाड़ा था। नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया और उसकी विरासत के प्रधानमंत्री और राजनीति देश हित में थी या देश को बरबादी की और ले जाने वाली।

डॉ. मनमोहन सिंह की शख्सियत कर्तव्यनिष्ठ थी। इतिहास निरपेक्ष थी। शासन के आखिर में जरूर उन्होंने अन्ना हजारे-केजरीवाल-मोदी के भूचालों में अपने मुंह से यह बोला था, उम्मीद जताई थी कि इतिहास उनके प्रति दयालु होगा!

और मेरी राय में उनका इतिहास भारत के आखिरी बुद्धिमान, उम्दा प्रधानमंत्री के नाते अमिट है। एक अच्छे', भले' और नेक' प्रधानमंत्री। और सोचें, इन तीन शब्दों से अधिक मनुष्यों के बीच मनुष्य को और क्या पुण्यता चाहिए!

मैंने बतौर पत्रकार उनके प्रधानमंत्री रहते उनकी आलोचना की है तो उनकी प्रशंसा भी की। तारीफ खासकर तब जब डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका के साथ एटमी करार के लिए अपनी सरकार दांव पर लगाई थी। जिस वाम मोर्चे पर मनमोहन सरकार टिकी थी उसके घोर विरोध, सीपीएम नेता प्रकाश करात द्वारा सैद्धांतिक आधार पर वैयक्तिक प्रतिष्ठा दांव पर लगाने तथा वामपंथी पत्रकारों की चिल्लपों, सोनिया गांधी व अहमद पटेल की चिंताओं के बावजूद मनमोहन सिंह ने एटमी करार किया। भारत का वैश्विक अछूतपन मिटाया। वह फैसला देश की सामरिक चिंता, सुरक्षा, भू राजनीति और वैश्विक जमात में भारत के स्थान के खातिर वैसा ही दुस्साहसी फैसला था जैसा मनमोहन सिंह का प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की कमान में वित्त नीति में परिवर्तनों का था।

मेरा पीवी नरसिंह राव के समय से ऑब्जर्वेशन रहा है कि मनमोहन सिंह ने प्रधानमंत्री बनने के बाद भी कभी यह नहीं कहा कि उनके कारण आर्थिक सुधार और उदारवाद आया। वे कभी अहंकार में या अनजाने में भी यह नहीं बोले कि मैंने, या मेरे कारण भारत के उदारवादी निर्णय हुए। इसलिए क्योंकि वे पीवी नरसिंह राव की बुद्धिमत्ता, दूरदृष्टि और समझदारी के कायल थे। मेरा डॉ. मनमोहन सिंह से कभी नाता नहीं रहा लेकिन मैं पीवी नरसिंह राव, प्रधानमंत्री दफ्तर संभालने वाले भुवनेश चतुर्वेदी, पीवीआरके प्रसाद और इनके घेरे को गहराई से जानता था इसलिए प्रत्यक्ष प्रमाण में सामने था कि कैसे राजनीतिक दबावों, कैबिनेट के भीतर की चुनौतियों और दस, जनपथ की चिंताओं के बीच प्रधानमंत्री के कवच से डा. मनमोहन सिंह ने पहला साहसी बजट पेश किया। कैसे खुद प्रधानमंत्री ने स्वंय उद्योग मंत्रालय संभालते हुए लाइसेंस, परमिट राज को खत्म करने की घोषणाएं कीं!

वह मौनी बाबा की मौन क्रांति थी। तभी स्वतंत्र भारत के इतिहास का सत्य है कि बुद्धि, विवेक और समझदारी के प्रतिमान पीवी नरसिंह राव ने उबलते पंजाब, बागी कश्मीर तथा अराजक उत्तर-पूर्व को सामान्य बनाया तो बाबरी मस्जिद के ध्वंस को भी विवेक से सहा। दिलचस्प संयोग है कि पीवी नरसिंह राव ने पांच साल के आखिर में तथा मनमोहन सिंह ने दस साल शासन के आखिर में, दोनों ने एक जैसे बवंडरों का सामना किया। बावजूद इसके इतिहास दोनों के प्रति दयालु है। दुनिया में यदि भारत के वित्तीय, आर्थिक, सामरिक तथा कूटनीतिक प्रतिमानों में किसी को याद किया जाता है तो उनमें भारतीय नाम पीवी नरसिंह राव और मनमोहन सिंह के हैं।

अद्भुत है! स्मृति पर जोर डालें। याद करें पीवी नरसिंह राव, के खिलाफ अर्जुन सिंह, फोतेदार, नटवर सिंह, नारायण दत्त तिवारी सहित कांग्रेस के तमाम दरबारियों, वामपंथी-सेकुलर आलोचकों से लेकर हर्षद मेहता, जेठमलानी, अचार कारोबारी लक्खू भाई और विश्वासघाती सीताराम केसरी जैसे चेहरों के बनाए झूठे बवंडर को। सभी को इतिहास मिट्टी की धूल सा मिटा चुका है। और इतिहास में कीर्ति अंकित है तो वह नरसिंह राव की है। ऐसे ही याद करें, मनमोहन सिंह के खिलाफ बवंडर पैदा करने वाले विनोद राय, प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव, अन्ना हजारे, रामदेव, अरविंद केजरीवाल, नरेंद्र मोदी एंड पार्टी को! क्या इनमें से कोई एक भी सच्चा साबित हुआ? जो लोग नरेंद्र मोदी और अरविंद केजरीवाल को भगवान, अवतार, मसीहा मानते हैं, उन्हें और उनकी भावना को दरकिनार करके सोचें तो मनमोहन सिंह ने मनुष्य रूप में दस वर्ष भारत का जो शासन किया वह किस कसौटी पर बुरा था? क्या वे भ्रष्ट प्रमाणित हैं? क्या पूंजीवाद और उदारवाद के आस्थावान डॉ. मनमोहन सिंह पर ये आरोप हैं कि उनकी बदौलत गौतम अडानी जैसे किसी क्रोनी पूंजीपति ने भारत को चूना लगाया। दुनिया में भारत को बदनाम बनाया?

K K

राष्ट्रीय समाचार

बुधवार, 01 जनवरी 2025, नर्मदापुरम (होशंगाबाद)

दैनिक क्षितिज किरण 5

भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर : अमित शाह

नई दिल्ली, (आरएनएस)। नए साल की शुरुआत से पहले इसरो ने देशवासियों को खुशखबरी दी है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसरो के इस उपलब्धि पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर खुशी जाहिर की।

एक्स पोस्ट में केंद्रीय गृहमंत्री ने लिखा कि भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनने की ओर अग्रसर है। स्पैडेक्स मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो टीम को बधाई। यह एक शानदार सफलता है जो अंतरिक्ष डॉकिंग तकनीक में भारत के लिए एक नया रास्ता खोलती है। आगे की यात्रा के लिए हमारे प्रतिभाशाली लोगों को मेरी शुभकामनाएं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि इसरो का नया कीर्तिमान। पीएसएलवी-सी60 रॉकेट द्वारा स्पैडेक्स

मिशन के सफल लॉन्च पर इसरो की पूरी टीम को बधाई। इस अभियान की सफलता के साथ ही भारत ये तकनीक हासिल करने वाला चौथा देश बन जाएगा। 2024 के अंत में इसरो की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 140 करोड़ देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली है।

उल्लेखनीय है कि स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया।

इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है।

इससे पहले रॉकेट की लॉन्चिंग पर उसने लिखा था, लिफ्टऑफ! पीएसएलवी-सी60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।

अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा।

अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर एक्स पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के विधायकों ने पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) 2024 में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के खिलाफ राजभवन की ओर विरोध प्रदर्शन किया।

मुर्शिदाबाद : पश्चिम बंगाल एसटीएफ ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में दो युवकों को किया गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मुर्शिदाबाद के नवादा थाना क्षेत्र से साजिबुल इस्लाम (24) और मुस्तकीम मंडल (26) को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

दोनों के खिलाफ नवादा थाने में मामला दर्ज किया गया है। सजीबुल अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के भारत मॉड्यूल प्रमुख साब शेख का चचेरा भाई है। यह कदम असम पुलिस के एसटीएफ से मिली सूचना के बाद उठाया गया है।

साब को एबीटी नेतृत्व ने पश्चिम बंगाल, असम और केरल में युवाओं को कट्टरपंथी बनाकर आतंकी मॉड्यूल बनाने के लिए भारत भेजा था। उसे असम पुलिस एसटीएफ ने केरल से गिरफ्तार किया था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध रूप से घुसने के बाद आरोपी साब शुरू में साजिबुल के घर पर ही रहा था। साजिबुल मूल रूप से बांग्लादेशी है, लेकिन बाद में उसका नाम मुर्शिदाबाद में दो अलग-अलग जगहों की मतदाता सूचियों में दर्ज पाया गया। जिला प्रशासन ने सोमवार को उसका नाम मतदाता सूची से हटा दिया। मुस्तकीम को साजिबुल से संबंधों के कारण पकड़ा गया। वह 9वीं कक्षा का ड्रॉपआउट है।

पश्चिम बंगाल पुलिस एसटीएफ ने पूछताछ के लिए तीसरे संदिग्ध को भी हिरासत में लिया है, लेकिन उसका नाम अभी पता नहीं चल पाया है। हाल ही में असम पुलिस एसटीएफ ने मुर्शिदाबाद के हरिहरपारा से दो आतंकी संदिग्ध मिनारुल शेख और मोहम्मद अब्बास को गिरफ्तार किया था। दोनों का संबंध एबीटी से था।

गौरव भाटिया बोले, अरविंद केजरीवाल करते हैं दिखावे की राजनीति, शराब कारोबारियों के साथ इलू-इलू

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने मंगलवार को दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा। उनका कहना है कि अरविंद केजरीवाल फरेबी हो गए हैं।

गौरव भाटिया ने भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के लोग, जो बेहतर के हकदार हैं, उन्हें एक ऐसी सरकार मिले जो उनकी अच्छी तरह से सेवा करे।

गौरव भाटिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी के संयोजक कट्टर बेईमान अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना अब बच्चों को भी नहीं छोड़ रहे हैं। 30 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक आदेश पारित करता है और केजरीवाल व दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए उस वीडियो को हटाने का आदेश दिया है, जिनमें बच्चों को राजनीतिक अभियान में भाग लेते हुए दिखाया गया है। केजरीवाल व दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना की ये पोस्ट भारत के चुनाव आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करती है, लेकिन इस पोस्ट को अभी तक नहीं हटाया गया है।

भाजपा प्रवक्ता ने आगे कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब अरविंद केजरीवाल ने भारत और दिल्ली के भविष्य हमारे बच्चों के साथ इस तरह का व्यवहार किया है। उन्होंने क्लासरूम और बाथरूम घोटाले की भी जिक्र किया। गौरव भाटिया ने कहा कि इन्होंने कहा कि दिल्ली के बच्चे, हमारे बच्चे अब क्लासरूम में नहीं पढ़ेंगे। ये टॉयलेट सीट पर बैठकर पढ़ेंगे क्योंकि टॉयलेट ही क्लासरूम है। ये दूरदर्शिता थी। शराब कारोबारियों के साथ इलू इलू, लेकिन दिल्ली के बच्चों के साथ टॉयलेट सीट पर बैठो और पढ़ाई करो क्योंकि ये ही क्लासरूम है।

उन्होंने आगे कहा कि जब अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री थे तब इन्हें बच्चों के साथ खड़ा होना था। लेकिन, तब इनके मंत्री सत्येंद्र जैन द रेपिस्ट को थेरेपिस्ट बनाए हुए थे। जेल की सलाखों के पीछे मसाज ले रहे थे।

उन्होंने आरोप लगाया कि अगर कोई दिखावे की राजनीति करता है, तो वो अरविंद केजरीवाल करते हैं। 10वीं और 12वीं के बच्चे परीक्षा में फेल हो जाते हैं, तब इनको लगा कि हमारी साख पर बट्टा लेगा। फिर इन्होंने 9वीं और 11वीं के बच्चों को अच्छी शिक्षा तो नहीं दी, लेकिन उनको फेल करना शुरू कर दिया। इन बच्चों को फेल करने के पीछे का उद्देश्य था कि 10वीं और 12वीं के जो परिणाम आएंगे अच्छे आएंगे। इससे आप सोच सकते हैं कि अरविंद केजरीवाल किस तरह की राजनीति करते हैं।

इसके अलावा उन्होंने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी इस बार हराने जा रही है। दिल्ली के लोग, जो बेहतर के हकदार हैं, उन्हें एक ऐसी सरकार मिले जो उनकी अच्छी तरह से सेवा करे।

बता दें कि फरवरी 2025 में दिल्ली में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव के मद्देनजर राजनीतिक दलों के नेता जनता को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे कर रहे हैं। इस दौरान एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी लगातार जारी है।

भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

महू ,(आरएनएस)। भारत का रक्षा निर्यात एक दशक पहले के 2,000 करोड़ रुपये से बढ़कर रिकॉर्ड 21,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे के दौरान महू छावनी में आर्मी वॉर कॉलेज (एडब्ल्यूसी) में अधिकारियों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, हमारा रक्षा निर्यात, जो एक दशक पहले लगभग 2,000 करोड़ रुपये था, अब 21,000 करोड़ रुपये के प्रभावशाली स्तर को पार कर गया है। इसी के साथ हमने 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात लक्ष्य रखा है। उन्होंने जानकारी दी कि भारत में बनाए गए उपकरणों (मेड इन इंडिया इक्विप्मेंट) को दूसरे देशों में भेजा जा रहा है। सिंह ने कहा कि लगातार आगे बढ़ते और विकसित होते समय में एडवांस टेक्नोलॉजी में निपुणता हासिल करना समय की मांग है।

उन्होंने आगे कहा कि सैनिकों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने में मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने भाषण में कहा, इंफॉर्मेशन वॉरफेयर, एआई बेस्ड वॉरफेयर, प्रॉक्सी वॉरफेयर, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वॉरफेयर, स्पेस वॉरफेयर और साइबर अटैक बड़ी चुनौती बनकर उभरे हैं।

उन्होंने इस तरह के हमलों से लड़ने के लिए सेना को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और सुसज्जित होने की जरूरत पर जोर दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इन्फेंट्री स्कूल में वेपन ट्रेनिंग, मिलिट्री कॉलेज ऑफ टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग (एमसीटीई) में एआई और कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी, एडब्ल्यूसी में जूनियर और सीनियर कमांड जैसे क्षेत्रों में ट्रेनिंग के जरिए इंटीग्रेशन बढ़ाने की संभावनाओं का पता लगाने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, कुछ अफसर भविष्य में दूसरे देशों में दूतावास या उच्चायोग में नियुक्त होंगे, जिनकी जिम्मेदारी अहम होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इन अधिकारियों को वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि सरकार भारत को दुनिया की सबसे मजबूत आर्थिक और सैन्य शक्तियों में से एक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हरियाणा में भाजपा ने 41 लाख से ज्यादा नए सदस्य बनाए : मोहन लाल बडौली

चंडीगढ़ (आरएनएस)। हरियाणा भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने चंडीगढ़ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में पार्टी की हालिया उपलब्धियों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हाल ही में हरियाणा भाजपा की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सदस्यता अभियान, संगठनात्मक ढांचे और आगामी चुनावी तैयारियों पर चर्चा की गई। बडौली ने बताया कि भाजपा ने सदस्यता अभियान के तहत 41 लाख नए सदस्य बनाए हैं। इसके साथ ही पार्टी ने 31 हजार से अधिक सक्रिय सदस्य बनाए, जो संगठन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा, हमने प्रत्येक बूथ पर तीन सक्रिय सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था, जिसे सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि पार्टी ने जिलों और मंडलों में मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार किया है। मंडलों की संख्या को 313 से बढ़ाकर 376 कर दिया गया है। मंडलों के चुनाव के बाद जिलों के चुनाव कराए जाएंगे।

इसरो ने लहराया भारत का परचम, स्पैडेक्स मिशन सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने सोमवार को स्पैडेक्स मिशन को सफलतापूर्वक लॉन्च किया, जिसका लक्ष्य अंतरिक्ष में डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करना है। स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पैडेक्स) मिशन के तहत दो उपग्रहों को 30 दिसंबर को श्रीहरिकोटा से पीएसएलवी-सी60 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने दोनों उपग्रहों को कुछ दूरी पर एक ही कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया। इसरो ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, स्पैडेक्स तैनात! स्पैडेक्स उपग्रहों का सफल पृथक्करण भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक और मील का पत्थर है। इससे पहले रॉकेट की लॉन्चिंग पर उसने लिखा था, लिफ्टऑफ! पीएसएलवी-सी60 ने स्पैडेक्स और 24 पेलोड को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया।

अमेरिका, रूस और चीन के बाद भारत अब डॉकिंग तकनीक में महारत हासिल करने वाला चौथा देश बनेगा। अंतरिक्ष मामलों के राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने इस सफलता पर एक्स पर लिखा, भारत अपने स्वदेशी रूप से विकसित 'भारतीय डॉकिंग सिस्टम' के माध्यम से अंतरिक्ष डॉकिंग की क्षमता की दिशा में कदम बढ़ाने वाले चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने वाला चौथा देश बन गया है। सिंह ने कहा कि यह तकनीक गगनयान और भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आकाश से आगे की यात्रा का मार्ग प्रशस्त करेगी।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना स्थित राजभवन में नवनियुक्त बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का स्वागत किया.

निर्मला देवी की 'ग्रीन आर्मी' को पीएम मोदी से मिली प्रशंसा, सामाजिक बदलाव में अहम योगदान

नई दिल्ली (आरएनएस)। वाराणसी के पास स्थित देवरा गांव की सशक्त महिला नेता निर्मला देवी ने अपनी 'ग्रीन आर्मी' के साथ मिलकर समाज में बदलाव की एक नई मिसाल पेश की है। महिलाएं, जिन्हें 'ग्रीन आर्मी' के नाम से जाना जाता है, वे संघर्ष और सामूहिक प्रयासों से समाज में बदलाव ला रही हैं।

हाल ही में, इन महिलाओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक प्रेरणादायक पत्र मिला है। जिसमें उनकी मेहनत और समर्पण को सराहा गया है। इसमें उनके चप्पल कारखाने की भी सराहना की गई है। पीएम नरेंद्र मोदी का ये पत्र न केवल महिलाओं के आत्मविश्वास को बढ़ावा देता है, बल्कि यह उनके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों की भी मान्यता है।

मोदी आर्काइव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मंगलवार को एक वीडियो पोस्ट किया है। जिसमें देवरा गांव की 'ग्रीन आर्मी' को सराहा गया है। इस क्लिप में ग्रीन आर्मी की निर्मला देवी की भावनाओं को सम्मान दिया गया है। जो वीडियो में एक जगह कहती हैं- 'अगर वह इसे पहनेंगे, तो हर कोई पहनेगा!

इस पोस्ट में ग्रीन आर्मी के सफर की जानकारी है। लिखा है, देवरा में दृढ़ निश्चयी महिलाओं का एक समूह 'ग्रीन आर्मी' एक-दूसरे का समर्थन करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक साथ आया था। उनकी यात्रा एक चप्पल फैक्ट्री की स्थापना के साथ शुरू हुई। लेकिन उन्होंने जो पहली जोड़ी चप्पल बनाई थी, वह बिक्री के लिए नहीं थी। इसे किसी खास को भेजा जाना था।

उन्होंने अपने दिल में आशा और विश्वास के साथ उन्हें वो चप्पल भेजी, यह विश्वास करते हुए कि यदि वह उन्हें पहनेंगे, तो दुनिया उनकी कहानी और उनके सपनों को पहचान लेगी। कुछ दिनों बाद एक पत्र आया। निर्मला देवी ने जब उसे हाथ में लिया तो उनकी आंखें खुशी से चमक उठीं। उन्होंने उत्साहित होकर कहा, ऐसा लगा जैसे वह हमारे बीच ही थे। ऐसा लगा जैसे मैं खुद प्रधानमंत्री मोदी से मिल रही हूं!

यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का प्रशंसा पत्र था। पत्र में 'ग्रीन आर्मी' की बहनों के लिए एक संदेश था। पत्र में लिखा था, मुझे आपकी चप्पल फैक्ट्री के बारे में जानकर बहुत खुशी हुई और मैं आपके द्वारा बनाए गए विचारशील उपहार की बहुत सराहना करता हूं। मुझे यह देखकर बहुत गर्व होता है कि आप जैसी महिलाएं हमारे देश और समाज की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं और इसमें योगदान दे रही हैं।

दिल्ली पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों पर की कार्रवाई, पकड़े गए मां-बेटे

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण पश्चिम दिल्ली की पुलिस टीम ने अवैध रूप से रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नईम खान और उसकी मां नजमा खान के रूप में हुई है।

नईम खान (22 वर्ष) बांग्लादेश के खुलना जिले के ग्राम सुंदर गुना का निवासी है। नईम ने 2020 में पश्चिम बंगाल की सीमा के माध्यम से भारत में प्रवेश किया था। मां-बेटा कटवारिया सराय में रहते हैं। पुलिस टीम को 29 दिसंबर 2024 को गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक दिल्ली के पिप्पल चौक स्थित शास्त्री मार्केट में मौजूद है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने नईम खान को गिरफ्तार किया और वेरिफाई किया तो बांग्लादेशी होने का पता चला। नईम ने बताया कि उसके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर थी, जिसके कारण वह स्कूल नहीं जा सका और भारत में अवैध रूप से प्रवेश किया। मां नजमा भी लगभग 20 साल पहले बेनापोल सीमा से भारत आई थी और कटवारिया सराय में घरेलू काम करती थीं।

भाजपा कार्यालय में आम आदमी पार्टी के खिलाफ लगाई गई प्रदर्शनी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तमाम राजनीतिक पार्टियों ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। विरोधी दलों की खामियां और अपनी खूबियां बता रही हैं। इसी क्रम में भाजपा ने कुछ अनूठा किया है। अपने कार्यालय में प्रदर्शनी लगाई है। इसमें दिल्ली का वायु प्रदूषण, यमुना प्रदूषण, टूटी हुई सड़कें, शराब घोटाला सहित कई मुद्दों को हाईलाइट किया गया है।

इस प्रदर्शनी में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर प्रदर्शनी लगाई गई है। भाजपा ने कथित घोटालों को उजागर किया है। आप के तीन कद्दावरों को भ्रष्टाचार के तीस मार खान करार दिया है।

दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पिछले दस वर्षों में जनता के लिए अरविंद केजरीवाल ने कुछ नहीं किया है। अब नई दिल्ली विधानसभा में अपनी कमजोर होती स्थिति देखकर वोटर लिस्ट के मुद्दे पर अनर्गल प्रलाप कर रहे हैं। दिल्ली के निवासी जानते हैं कि सभी निवासियों के पहचान पत्र में मकान नंबर व स्थानीय पता दर्ज होता है, लेकिन केजरीवाल के राज में मकान संख्या 0 (शून्य) पर 144 वोटरों के नाम दर्ज होना चुनावी धांधली का स्पष्ट प्रमाण है।

सचदेवा ने आगे कहा, चुनाव जीतने के लिए केजरीवाल किस हद तक जा सकते हैं, यह घटना इसका सटीक उदाहरण है; केजरीवाल ऐसा धोखेबाज़ इंसान है जिसको धोखा करने में शर्म भी नहीं आती है।

बता दें, आम आदमी पार्टी ने 70 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतार कर चुनावी अभियान शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल एक बार फिर नई दिल्ली विधानसभा सीट से ताल ठोक रहे हैं। वह इस सीट से तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। चौथी बार वह इस सीट से चुनाव लड़ेंगे। केजरीवाल के सामने कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित मैदान में हैं।

यश ने अपने प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की

मुंबई (आरएनएस)। रॉकिंग स्टार यश ने अपने जन्मदिन से पहले एक भावपूर्ण पत्र में प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की है। केजीएफ फ्रैंचाइज़ से वैश्विक स्तर पर स्टार बनने वाले रॉकिंग स्टार यश का अपने प्रशंसकों के साथ हमेशा एक खास रिश्ता रहा है। जैसे-जैसे साल खत्म होने वाला है, यश ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया है कि वे जश्न के दौरान अपनी सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता दें, खासकर उनके जन्मदिन के दौरान। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें खुशी इस बात से है कि उनके प्रशंसक असाधारण प्रदर्शनों में शामिल होने के बजाय अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं।

अपने प्रशंसकों को संबोधित एक भावपूर्ण पत्र में, यश ने प्यार व्यक्त करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अतीत में अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर विचार किया, जिसके परिणामस्वरूप दुखद रूप से लोगों की जान चली गई। इस साल की शुरुआत में उनके पिछले जन्मदिन (2024) पर कर्नाटक के गडग जिले में उनके तीन प्रशंसकों ने एक बड़ा जन्मदिन कटआउट लगाते समय अपनी जान गंवा दी थी।

मोनालिसा ने थाई स्लिट ड्रेस में फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर, भोजपुरी क्वीन की लेटेस्ट तस्वीरों ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में उनका किलर अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।

मोनालिसा भोजपुरी और टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं वो एथनिक लुक से इंटरनेट पर कहर बरपा रही हैं।

बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा है- टू मच हॉट। दूसरे यूजर ने लिखा है- यू लुक गॉर्जियस। तीसरे यूजर ने लिखा है- स्टनिंग। ऐसे ही एक के बाद एक लोग कॉमेंट्स कर के रिएक्शंस दे रहे हैं।

मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टा पर अपलोड करती हैं तो फैंस अक्सर उनके स्टाइल को फॉलो करते हैं।

अशनूर कौर को फिल्म किसको था पता से मिला शानदार अनुभव

अभिनेत्री अशनूर कौर ने अपनी नई फिल्म 'किसको था पता' में अपने किरदार 'श्रेया' को लेकर बताया कि यह भावनात्मक उतार-चढ़ाव से भरा है, जो कमजोरी, ताकत और फिर से खुद के व्यक्तित्व को खोजने से जुड़ा है। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म के जरिए उन्हें शानदार अनुभव मिला।

अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए अशनूर ने बताया, श्रेया एक ऐसा किरदार है, जो हर उस व्यक्ति के साथ गहराई से जुड़ती है, जिसने प्यार की ताकत और उसे खोने के डर को अनुभव किया है। श्रेया का सफर भावनाओं से भरा है।

अभिनेत्री ने बताया, मैं ऐसी खूबसूरती से लिखी गई कहानी का हिस्सा बनने के लिए धन्य महसूस करती हूं, जो दर्शकों को प्यार और नियति के अर्थ पर सवाल उठाने पर मजबूर कर देगी। यह पहली बार था जब मैं अकेले शूटिंग कर रही थी और मैं नर्वस थी, लेकिन साथ ही उत्साहित भी थी। मैं जी सिनेमा पर श्रेया के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए रोमांचित हूं और मुझे उम्मीद है कि दर्शक उससे उतना ही जुड़ेंगे, जितना मैं जुड़ी थी।

रत्ना सिन्हा निर्देशित किसको था पता क्रिसमस पर जी सिनेमा पर रिलीज हुई। रायपुर में सेट की गई रोमांटिक-कॉमेडी में अभिनेत्री के साथ अक्षय ओबेरॉय और आदिल खान अहम रोल में हैं।

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अक्षय ओबेरॉय ने बताया, देवांश एक ऐसा व्यक्ति है, जिसकी दुनिया तब बिखर जाती है, जब वह जिससे सबसे ज्यादा प्यार करता है, वह उसे छोड़कर चली जाती है। यह भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण भूमिका थी। इस भूमिका ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। मैं दर्शकों को देवांश के दिल टूटने, ठीक होने और खुद को फिर से खोजने की यात्रा में शामिल करने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता। मैं बहुत उत्साहित हूं। यह एक ऐसी कहानी है, जो लंबे समय तक आपके साथ रहेगी।

अभिनेता आदिल खान ने कहा कि उनका किरदार धैर्य, स्वतंत्र विचारों वाला और ऐसा व्यक्ति है जो जीवन को पूरी तरह से जीने में विश्वास करता है। 'किसको था पता' सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं है, यह एक लाइफ स्टोरी है। मैं रत्ना सिन्हा का आभारी हूं कि उन्होंने प्रतिभाशाली अशनूर और अक्षय के साथ इस भूमिका के लिए मुझ पर भरोसा किया। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना हमें इसे बनाने में आया।

'किसको था पता' एक मनोरंजक कहानी है, जिसमें देवांश और श्रेया की प्रेम कहानी को शानदार तरीके से पर्दे पर उतारा गया है।

पुष्पा 2 के तूफान में उड़ी बेबी जॉन, वीकेंड पर 30 करोड़ भी पार नहीं कर पाई वरुण धवन की फिल्म

इस साल क्रिसमस पर रिलीज हुई वरुण धवन की एक्शन फैमिली ड्रामा बेबी जॉन बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है. बॉक्स ऑफिस पर यह अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2, शाहरुख खान की डबिंग फिल्म मुफासा से टक्कर ले रही हैं. एटली और कलीस की एक्शन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपने 5 दिन के एक्सटेंडेड वीकेंड के बाद कुल 30 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है. वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी स्टारर बेबी जॉन शुरू से ही चर्चा का विषय बनी हुई है. यह साउथ ड्रामा थेरी की आधिकारिक रीमेक है, जो एक बड़ी सफलता थी. हालांकि, ऐसा लगता है कि बेबी जॉन के जोरदार प्रमोशन के बाद भी फिल्म यह बॉक्स ऑफिस पर परफॉर्म करने में फेल हो रही है. क्रिसमस पर अपनी रिलीज के बाद, फिल्म अभी तक 30 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार छूने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार, अपने पहले रविवार यानी बॉक्स ऑफिस पर अपने 5वें दिन, फिल्म ने लगभग 4.75 करोड़ रुपये कमाए, जिससे भारत में इसकी कुल कमाई 28.65 करोड़ रुपये हो गई।

कैसा रहा कृति सेनन का साल 2024? तस्वीरों में साझा की सारी यादें, फैंस भी हुए दीवाने

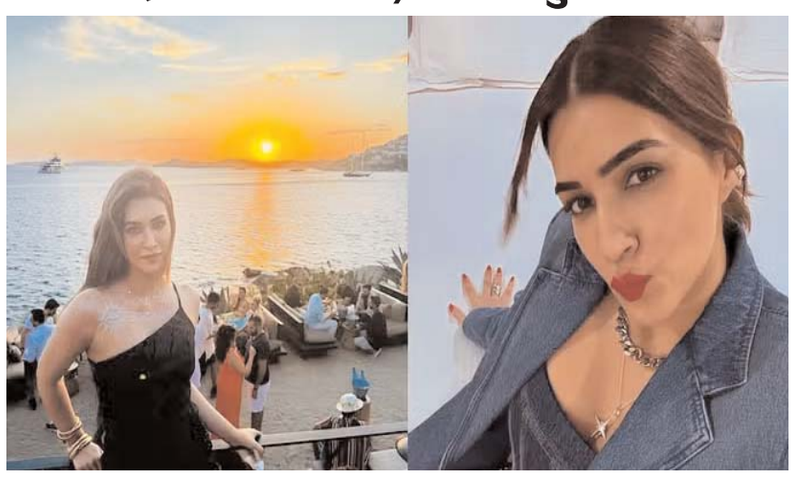

कृति सेनन ने साल 2024 की सभी यादों को समेटते हुए अपनी कुछ अनदेखी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकांउट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में कृति का अंदाज, हर तस्वीर में जुदा नजर आ रहा है। कृति के फैंस भी उनके जुदा अंदाज, लुक्स के दीवाने हो गए।

पार्टी-वैकेशन मूड में कृति

एक तस्वीर में कृति बिकनी ड्रेस पहने पार्टी करती हुई दिखीं, वहीं दूसरी तस्वीर में वह किसी वैकेशन पर बर्फ को एंज्वॉय कर रही हैं।

स्किन केयर करती एक्ट्रेस

कृति की खूबसूरती का राज क्या है? अकसर ही फैंस उनसे पूछते हैं, ऐसे में कृति ने एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह कोल्ड वॉटर स्किन केयर ट्रीटमेंट ले रही हैं। बर्फ के पानी में थोड़ी देर चेहरा रखने से ग्लो बना रहता है, स्किन भी यंग नजर आती है।

बॉक्स ऑफिस पर गूंज रही मुफासा की दहाड़, 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई फिल्म

बॉलीवुड सुपरस्टार शाह रुख खान की बुलंद आवाज में मुफासा- द लॉयन किंग भारतीय सिनेमाघरों में जमकर दहाड़ रही है। इस एनिमेटेड हॉलीवुड मूवी ने इंडियन ऑडियंस का दिल जीत लिया है। जिसके वजह से बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन के मामले में मुफासा ने धमाकेदार प्रदर्शन करके दिखाया है।

वीकेंड पर एक बार फिर से मुफासा की कमाई में भारी उछाल देखने को मिला है। जिसका अंदाजा आप फिल्म के 10वें दिन के कलेक्शन रिपोर्ट के जरिए आसानी से लगा सकते हैं। आइए जानते हैं कि दूसरे रविवार को इस मूवी ने कितने नोट छापे हैं।

लंबे अरसे से देखा जा रहा है कि इंडिया में हॉलीवुड फिल्मों को पसंद करने वाले लोगों की तादाद काफी ज्यादा है। फिर चाहें वो मार्वल स्टूडियो की एवेंजर्स फ्रेंचाइजी हो या फिर एनिमेटेड फिल्म मुफासा की सीरीज क्यों न हो। मौजूदा समय में इंडियन बॉक्स ऑफिस पर मुफासा- द लॉयन का दबदबा कायम है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के आधार पर रिलीज के 10वें दिन इस मूवी ने करीब 11.75 करोड़ का कारोबार किया है।

विवादों से घिर चुकीं रूपाली ने की सोशल मीडिया पोस्ट, लिखा-'मैं ड्रामा अवॉयड करती हूं क्योंकि'

हाल ही में 'अनुपमा' सीरियल की लीड एक्ट्रेस रूपाली गांगुली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट को शेयर किया। जिसमें कुछ ऐसा लिखा है जो रूपाली गांगुली की तरह से खुद पर लगाए जा रहे आरोपों का मुंहतोड़ जवाब कहा जा सकता है। क्या पोस्ट की रूपाली ने और किसको दे रही हैं वह यह जवाब, विस्तार से जानिए?

बातों को मुंह पर कहती हैं

रूपाली ने इंस्टाग्राम पर जो पोस्ट शेयर की है, उस पर कुछ ऐसा लिखा- 'मैं ड्रामा अवॉयड करने की कोशिश करती हूं क्योंकि मेरे मुंह पर कोई फिल्टर नहीं लगा।' इस पोस्ट के जरिए शायद एक्ट्रेस यही कहना चाहती हैं कि जो कुछ भी वह कहती हैं, मुंह पर कह देती हैं, चाहे वह अच्छा हो या बुरा। वह बातों को लाग-लपेटे के साथ नहीं कहती हैं।

क्या आपके गले में भी होती है खुजली? आराम पाने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

सर्दियों में गले में खराश होना आम बात होती है, लेकिन कई लोगों को बलगम के कारण गले में खुजली होने लगती है। इस समस्या के कारण बात करना और खाने को निगलना बेहद मुश्किल हो जाता है।आम तौर पर जुखाम, सूजन या बुखार गले में होने वाली खुजली का कारण बनते हैं। हालांकि, यह परेशानी पेट में बनने वाले एसिड के चलते भी बढ़ सकती है।आइए इस स्वास्थ्य संबंधी समस्या से निपटने के घरेलू नुस्खे जानते हैं।

गर्म पानी से गरारे करें

गले की खुजली से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा प्राकृतिक और घरेलू उपचार होता है गर्म पानी से गरारे करना। इसके जरिए गले की सूजन कम होती है और जलन शांत होती है।एक गिलास पानी गर्म में आधा चम्मच नमक मिला दें। इस पानी की मदद से कम से कम 30 मिनट तक गरारे करें।अगर आप हफ्ते में 2 बार यह उपाय करेंगे, तो आपकी खुजली की समस्या दूर हो जाएगी और आपका गला साफ हो जाएगा।

हल्दी वाले दूध का सेवन करें

अक्सर चोट लगने पर हल्दी वाला दूध पीने की सलाह दी जाती है। हालांकि, इस पेय के सेवन से गले में होने वाली खुजली भी ठीक हो सकती है।हल्दी में करक्यूमिन होता है, जिसे एक शक्तिशाली एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट माना जाता है। इससे गले की सूजन दूर हो जाती है और संक्रमण का खतरा भी कम हो जाता है।एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी मिलाएं और घूंट-घूंट करके पीएं।

भाप लें

जुखाम होने पर लोग भाप लेते हैं, जिसके जरिए बलगम को पिघलाया जा सकता है। इस उपचार की मदद से आप गले में होने वाली खुजली को भी शांत कर सकते हैं।भाप लेने से गला नम होता है और सूखेपन से राहत मिलती है, जिसके कारण खुजली दूर हो जाती है। भाप लेने से पहले पानी गर्म करके उसमें पुदीने वाला एसेंशियल ऑयल मिलाएं।अब कम से कम 5 से 7 मिनट तक चेहरे को ढककर भाप लें।

गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीएं

अगर आप रोजाना सुबह गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीएंगे, तो आपको गले की खुजली से छुटकारा मिल जाएगा।एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल बायोमेडिसिन में प्रकाशित शोध के अनुसार, शहद में एंटी-बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं।इस खाद्य पदार्थ के जरिए गले की सूजन कम हो जाती है, दर्द से राहत मिलती है और खांसी भी ठीक हो जाती है। वहीं, गर्म पानी गले की सिकाई करते हुए आराम प्रदान करता है।

सेब का सिरका आजमाएं

सभी जानते हैं कि सेब का सिरका वजन घटाने में मदद करता है। हालांकि, काफी कम लोग इस बात से वाकिफ हैं कि इसकी मदद से गले में होने वाली खुजली भी दूर हो सकती है।इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं, जो गले की सूजन, जलन और असुविधा को कम कर सकते हैं। एक गिलास गर्म पानी लें और उसमें आधा चम्मच सेब का सिरका मिलाएं।इस पेय को रोजाना सुबह पीएं और आराम महसूस करें।

बाहर निकलती तोंद को स्लिम-ट्रिम बनाने के लिए खाना शुरू करें ये सफेद चीज, महीनेभर में दिखेगा असर

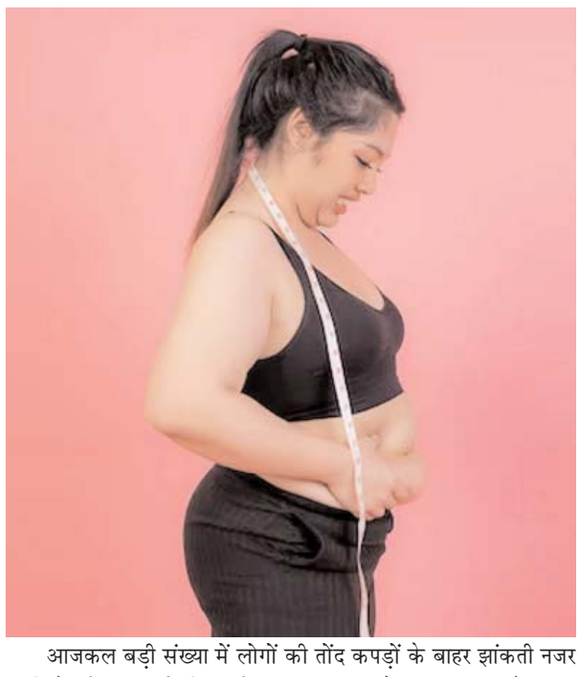

आजकल बड़ी संख्या में लोगों की तोंद कपड़ों के बाहर झांकती नजर आती है. मोटापा कई बीमारियों का शुरुआत संकेत माना जाता है. अगर आप भी इसी बाहर निकलती तोंद और मोटापे से परेशान हैं तो किचन में रखी एक चीज को सेवन से इसे कंट्रोल कर सकते हैं. इसे खाने से आप एकदम स्लिम-ट्रिम हो जाएंगे. इस एक चीज को आप सुबह और शाम के समय स्नैक्स के रूप में भी ले सकते हैं. यहां हम बात कर रहे हैं मखाने की. इम मेवा में कैल्शियम से लेकर कई पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं. अगर आप स्वाद के शौकीन हैं तो मखाने को घी-नमक या काली मिर्च के फ्लेवर के साथ रोस्ट कर खा सकते हैं. इतना ही नहीं नियमित रूप से मखाने का सेवन आपका वजन कम करने में भी काफी लाभदायक साबित हो सकता है. आइए जानते हैं कि कैसे मखाने का सेवन करें.

मखाना खाने से कैसे कम होता है वजन?

कई लोगों के मन में ये सवाल ये जरूर होता है कि आखिरकार मखाना खाने से कैसे कम होता है वजन? इसका जवाब है कि मखाने में डाइटरी फाइबर पाया जाता है. इसमें मौजूद फाइबर मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है. इससे फैट बर्निंग प्रोसेस तेज हो जाती है. इसके साथ ही मखाने में मौजूद कैल्शियम से लेकर आयरन और मैग्नीशियम वजन को बढ़ने से रोकते हैं. यह डाइजेशन को बेहतर बनाता है. इससे व्यक्ति का फैट कम हो जाता है.

वजन कम करने के लिए खाएं मखाने का भेल

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो इसके लिए मखाने की भेल बनाकर खा सकते हैं. इसके लिए एक बाउल में टमाटर, प्याज, हरी मिर्च, ककड़ी और खीरा काट लें. इसके बाद मखानों को कढ़ाई में डालकर हल्का सा फाई कर लें. अब टमाटर, प्याज, हरी मिर्च, ककड़ी और खीरा को मखानों के साथ मिक्स कर लें. इसमें नमक, नींबू, इमली की चटनी और काली मिर्च डाल लें. आपकी मिक्स चाट बनकर तैयार हो जाएगी.

वजन कम करने के लिए भूनकर खाएं मखाने

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो मखानों को डाइट में जरूर शामिल करें. आप इसे भूनकर भी खा सकते हैं. स्वादिष्ट बनाने के लिए एक कढ़ाही में थोड़ा सा घी और नमक डालें, इसके बाद मखानों को धीमी आंच पर भून लें. सुबह नाश्ते के समय और शाम को स्नेक्स के रूप में लें. इससे आपका वजन धीरे धीरे कट जाएगा.

पूर्व इंग्लैंड फुटबॉल कोच साउथगेट नए साल की सम्मान सूची में नाइटहुड से सम्मानित

लंदन,(ए.)। इंग्लैंड के पूर्व पुरुष सीनियर फुटबॉल मैनेजर गैरेथ साउथगेट को 2025 के लिए नए साल की सम्मान सूची में शामिल किया गया है। एफए ने एक विज्ञप्ति में कहा,इंग्लैंड को चार प्रमुख टूर्नामेंटों में ले जाने और दो यूरो फाइनल और एक विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंचाने के बाद, साउथगेट को नाइटहुड से सम्मानित किया गया है, इससे पहले 2019 में उन्हें ओबीई बनाया गया था। गैरेथ ने इस साल की शुरुआत में लगभग आठ साल तक प्रभारी रहने के बाद थ्री लायंस के बॉस के रूप में अपना पद छोड़ दिया, स्पेन के खिलाफ यूईएफए यूरो 2024 फाइनल के बाद 102 मैचों में 61 जीत, 24 ड्रॉ और 17 हार के साथ। यह उनके द्वारा इंग्लैंड के लिए खिलाड़ी के रूप में 57 कैप और दो गोल तथा सीनियर टीम मैनेजर के रूप में नियुक्ति से पहले इंग्लैंड के पुरुष अंडर-21 के प्रभारी के रूप में 37 मैच खेलने के अतिरिक्त है। एफए अध्यक्ष डेबी हेविट ने कहा, फुटबॉल एसोसिएशन में हम सभी की ओर से, मैं सर गैरेथ को इस अत्यंत योग्य सम्मान के लिए बधाई देता हूं। एक खिलाड़ी, कोच और परिवर्तन-निर्माता के रूप में खेल में अपने पूरे करियर के दौरान, उन्होंने अंग्रेजी फुटबॉल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, हमारे अब तक के सबसे महान मैनेजरों में से एक, सर गैरेथ की चार प्रमुख टूर्नामेंटों में उल्लेखनीय कोचिंग उपलब्धियों में दो लगातार यूरो फाइनल शामिल हैं, जो हमारे घर से दूर सर्वश्रेष्ठ पुरुष विश्व कप प्रदर्शन की बराबरी करते हैं और पांच साल से अधिक समय तक दुनिया के शीर्ष पांच में स्थान बनाए रखते हैं। वेस्ट हैम, एवर्टन और मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व मैनेजर डेविड मोयेस को एसोसिएशन फुटबॉल में सेवाओं के लिए ओबीई प्राप्त हुआ, जबकि लिवरपूल और स्कॉटलैंड के पूर्व कप्तान और प्रसारक एलन हैनसेन को एसोसिएशन फुटबॉल और प्रसारण में उनकी सेवाओं के लिए एमबीई से सम्मानित किया गया।

जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप में लौटे कार्लसन

न्यूयार्क (ए.)फिडे से खिलाड़ियों को जींस पहनकर खेलने की अनुमति मिलने के बाद दुनिया के नंबर एक शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन विश्व ब्लिट्ज चैम्पियनशिप में लौटे जिन्हें ड्रेस कोड के उल्लंघन के कारण रैपिड वर्ग से बाहर कर दिया गया था। दरअसल, पांच बार के विश्व चैम्पियन कार्लसन पर शनिवार को फिडे के ड्रेस कोड का उल्लंघन करके जींस पहनकर आने के बाद 200 डॉलर का जुर्माना लगाया गया था। टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार जींस पहनना मना है। उन्होंने तुरंत कपड़े बदलकर आने का अनुरोध मानने से इनकार कर दिया तो उन्हें अयोग्य करार दिया गया। टूर्नामेंट में रैपिड चैम्पियनशिप के नौवें दौर में उन्हें किसी के खिलाफ उतारा नहीं गया। नीति में बदलाव की घोषणा करते हुए अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) के अध्यक्ष अर्कादी वोरवोविच ने कहा ,'' मैंने पोशाक की उपयुक्तता के संबंध में निर्णय लेने में फिडे अधिकारियों को अधिक लचीलापन प्रदान करने के लिए इस नजरिये का प्रयोग करने का फैसला किया है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने 2024 की अपनी सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम चुनी, जसप्रीत बुमराह को बनाया कप्तान

नईदिल्ली, (ए.)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस साल टेस्ट प्रारूप में जोरदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मिलाकर सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया, जिसमें भारतीय दिग्गज जसप्रीत बुमराह को उन्होंने कप्तान नियुक्त किया।उनके अलावा यशस्वी जायसवाल को भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह दी है।इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा कोई अन्य भारतीय इस टीम में नहीं चुना गया है।आइए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम के बारे में जानते हैं।

बुमराह ने 2024 में कुल 13 टेस्ट खेले, जिसमें 14.92 की औसत के साथ सर्वाधिक 71 विकेट हासिल किए।इस बीच उन्होंने 5 पारियों में 5 विकेट हॉल लिए हैं। बुमराह इस समय बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 में हिस्सा ले रहे हैं।इस प्रतिष्ठित सीरीज के शुरुआती 4 टेस्ट में उन्होंने 12.83 की औसत के साथ 31 विकेट चटकाए हैं। वह 3 पारियों में 5 विकेट हॉल भी अपने नाम कर चुके हैं।

इस साल जायसवाल टेस्ट में सर्वाधिक रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज रहे।उन्होंने 15 टेस्ट की 29 पारियों में 54.74 की औसत के साथ 1,478 रन बनाए। इस बीच नाबाद 214 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 3 शतक और 9 अर्धशतक लगाए।जायसवाल ने इस समय खेली जा रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में 51.28 की औसत के साथ 359 रन बनाए। इस बीच उन्होंने एक शतक और 2 अर्धशतक लगाए थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की 2024 की टेस्ट टीम: यशस्वी जायसवाल, बेन डकेट, जो रूट रचिन रविंद्र, हैरी ब्रूक, कामिंदु मेंडिस, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मैट हेनरी, जसप्रीत बुमराह (कप्तान), जोश हेजलवुड और केशव महाराज।

कोबोली, पाओलिनी ने इटली को यूनाइटेड कप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचाया

सिडनी (ए.)। फ्लेवियो कोबोली ने मैच प्वाइंट बचाकर हार के कगार से वापसी की , जिससे इटली ने फ्रांस को हराकर यूनाइटेड कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इटालियन ने फ्रांसीसी उगो हम्बर्ट को 3-6, 7-6(8), 6-2 से हराया। उगो हम्बर्ट ने दूसरे सेट में अपने पहले 17 सर्विस प्वाइंट जीते और मैच के लिए 6-3, 5-4 15/0 पर सर्विस की। लेकिन फ्रांसीसी खिलाड़ी आगामी टाई-ब्रेक में 8/7 पर मैच प्वाइंट को बदलने में असमर्थ रहे और यह महंगा साबित हुआ। जैस्मीन पाओलिनी और मिश्रित युगल जोड़ी सारा इरानी और एंड्रिया वावसोरी की जीत के बाद इटली ने टाई को 3-0 से जीत लिया। देश ने अब ग्रुप डी जीत लिया है और मिश्रित टीमों के आयोजन के नॉकआउट चरण में प्रवेश करेगा। फ्रांस को ग्रुप जीतने के लिए इटली को 3-0 से हराना था।

एरानी और वावसोरी की मिश्रित युगल जोड़ी ने एडवर्ड रोजर-वेसलिन और एलिक्सेन लेकेमिया को 6-3, 7-6 से हराया।

इटली के क्वार्टर फाइनल में सुरक्षित रूप से पहुंचने के बाद, दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी पाओलिनी पर कोई दबाव नहीं था, क्योंकि उन्होंने महिला एकल में भाग लिया।

2024 के रौलां गैरो और विंबलडन फाइनलिस्ट शांत और संयमित थीं, क्योंकि उन्होंने क्लो पैक्वेट पर 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की, जिससे मंगलवार को इटली के लिए आधिकारिक रूप से मुकाबला पक्का हो गया।

पाओलिनी ने अपने दो ग्रुप-स्टेज मैचों में केवल चार गेम गंवाए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में पूर्व शीर्ष 5 खिलाड़ी बेलिंडा बेनसिक को 6-1, 6-1 से हराया।

भारतीय गेंदबाजों ने कोंस्टास के फॉरवर्ड डिफेंस में खामी को उजागर किया: ओ कीफ

नई दिल्ली,(ए.)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर केरी ओकीफ ने 19 वर्षीय सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास की बल्लेबाजी तकनीक के बारे में चिंता जताई है, उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर तत्काल समाधान नहीं किया गया तो उनके फॉरवर्ड डिफेंस में खामियां उनके होनहार टेस्ट करियर को पटरी से उतार सकती हैं। ओकीफ की आलोचना कोंस्टास के एमसीजी में बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ संघर्ष के बाद आई है, जहां इनस्विंगिंग डिलीवरी के खिलाफ उनकी कमजोरी उजागर हुई थी। जबकि इनस्विंगिंग डिलीवरी ने कोंस्टास को परेशान किया है, ओकीफ का मानना है कि असली समस्या उनकी फॉरवर्ड डिफेंस तकनीक में है। फॉक्स क्रिकेट पर बोलते हुए, ओकीफ ने समझाया, भारतीय रणनीतिकारों ने सैम कोंस्टास के फॉरवर्ड डिफेंस में एक समस्या की पहचान की है। यह खामी अब वैश्विक मंच पर उजागर हो गई है और संभवत: दुनिया भर की गेंदबाजी इकाइयों द्वारा इसका लक्ष्य बनाया जाएगा। भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में कोंस्टास दोनों पारियों में इनस्विंग गेंदों पर आउट हुए। पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने उन्हें जल्दी ही परख लिया, हालांकि कोंस्टास बचाव करने के बजाय आक्रमण करके बचने में सफल रहे।

विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25: मयंक अग्रवाल ने लगातार तीसरा शतक लगाया

नईदिल्ली, (ए.)। इस समय खेली जा रही विजय हजारे ट्रॉफी में कर्नाटक क्रिकेट टीम के कप्तान मयंक अग्रवाल ने अपना जोरदार फॉर्म जारी रखा है।उन्होंने पांचवें दौर के मुकाबले में हरियाणा क्रिकेट टीम के खिलाफ बेहतरीन शतक (124) लगाया।दिलचस्प रूप से यह मयंक का मौजूदा सीजन में लगातार तीसरा शतक है। इससे पहले उन्होंने पंजाब और अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ भी शतकीय पारी खेली थी।आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं। कर्नाटक से पारी की शुरुआत करने मयंक ने शुरुआत में कुछ संभलकर बल्लेबाजी की।क्रीज पर टिक जाने के बाद उन्होंने अपनी रन गति में इजाफा किया और 95 गेंदों में अपनी पारी को शतक में तब्दील किया।उन्होंने निकिन जोस के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी भी निभाई।अच्छी बल्लेबाजी कर रहे मयंक 112 गेंदों में 124 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 2 छक्के लगाए। मयंक ने अपने लिस्ट-ए क्रिकेट करियर में अब तक 118 मैच खेले हैं, जिसमें लगभग 50 की औसत के साथ 5,350 से अधिक रन बनाए हैं।इस बीच उन्होंने 17 शतक और 23 अर्धशतक अपने नाम किए हैं।लिस्ट-ए क्रिकेट में उनका सर्वोच्च स्कोर 176 रन रहा है।मयंक भारतीय क्रिकेट टीम की ओर से 5 वनडे भी खेल चुके हैं, जिसमें उन्होंने 17.20 की औसत के साथ 86 रन बनाए हैं। मयंक ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में 5 मैचों में 142.66 की औसत और 117.26 की स्ट्राइक रेट के साथ 428 रन बनाए।इस बीच उन्होंने 3 शतक लगाए हैं। वह फिलहाल मौजूदा सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं।उनके अलावा कोई अन्य बल्लेबाज 400 रन के आंकड़े को नहीं छू सके हैं।उन्होंने इस मैच से पहले पंजाब के खिलाफ 139* रन और अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 100* रन बनाए थे।

विदेश समाचार

किसान पांच जनवरी को पेरिस की नाकेबंदी करेंगे

पेरिस (ए)। फ्रांस के किसान ट्रेड यूनियन कोऑर्डिनेशन रूराले ने किसानों से पांच जनवरी को पेरिस की नाकेबंदी करने और प्रधानमंत्री फ्रेंकोइस बायरू तथा कृषि मंत्री एनी जेनेवार्ड के साथ बैठक की मांग करने का आह्वान किया है। प्रवक्ता पैट्रिक लेग्रास ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि एक साल से देश भर के किसान संकट में है जो कई समस्याओं का समाधान खोजने के प्रयास कर रहे है। उन्होंने सोमवार को आरएमसी ब्रॉडकास्टर को बताया, 'लक्ष्य पेरिस और उसके उपनगरों में जाने का है, हमें उम्मीद है कि हम जल्द ही प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री से मिलेंगे।' उन्होंने उम्मीद जताई कि किसानों को ऐसा नहीं करना पड़ेगा। यदि इस कार्रवाई के अनुरूप उनकी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो आगे की कार्रवाई की जाएगी। किसानों ने अक्टूबर में देश भर में विरोध-प्रदर्शन फिर से शुरू किया। इसके बाद नवंबर में प्रमुख ट्रेड यूनियनों एफएनएसईए और ज्यून्स एग्रीकल्चर ने सरकारी निष्क्रियता तथा दक्षिण अमेरिकी व्यापार ब्लॉक मर्कोसुर के साथ एक व्यापार समझौते के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया। उनकी मांग है कि यूरोपीय संघ प्रस्तावित व्यापार समझौते को रद्द करे, नियमों को ढीला करे और विलंबित सब्सिडी का भुगतान करे।

अमेरिका : पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का 9 जनवरी को होगा अंतिम संस्कार

वाशिंगटन (ए.)। पूर्व राष्ट्रपति जिमी कार्टर का अंतिम संस्कार 9 जनवरी को वाशिंगटन डी.सी. में होगा। उसी दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा राष्ट्रीय शोक दिवस भी घोषित किया जाएगा। बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति के लिए एक श्रद्धांजलि भाषण दे सकते हैं। कार्टर के सम्मान में 9 जनवरी को संघीय कार्यालयों को बंद करने का आदेश दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार दोपहर को घोषणा की कि शोक दिवस के मौके पर 9 जनवरी को कोर्ट भी बंद रहेगा। कार्टर का रविवार (स्थानीय समय) को 100 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। कार्टर को सम्मानित करने वाली सेवाएं 4 जनवरी से शुरू होंगी। इसमें जॉर्जिया में उनके बचपन के घर और पारिवारिक फार्म पर पार्थिव देह ले जाई जाएगी। फिर जॉर्जिया स्टेट कैपिटल में रखा जाएगा। वाशिंगटन, डी.सी. के लिए जाने से पहले, कार्टर का शव 7 जनवरी तक अटलांटा के कार्टर प्रेसिडेंशियल सेंटर में रखा जाएगा। इसके बाद, उनके पार्थिव शरीर यूएस नेवी मेमोरियल और फिर यूएस कैपिटल ले जाया जाएगा।

कैपिटल पहुंचने पर 7 जनवरी को कांग्रेस के सदस्य दिवंगत राष्ट्रपति को दोपहर की सभा में श्रद्धांजलि देंगे। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई 9 जनवरी को सुबह 10 बजे नेशनल कैथेड्रल में दी जाएगी। सोमवार को एक पत्र में दोनों दलों के कांग्रेसी नेताओं ने कार्टर के बेटे जेम्स कार्टर III और कार्टर सेंटर को सूचित किया कि दिवंगत राष्ट्रपति के पार्थिव देह को 7-9 जनवरी तक कैपिटल में राज्य में रखा जाएगा। सांसदों ने एक संयुक्त बयान में कहा, राष्ट्र के प्रति राष्ट्रपति कार्टर की लंबी और विशिष्ट सेवा को सम्मानित करते हुए हमारा इरादा है कि उनके अवशेषों को संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधि सभा और सीनेट से मंजूरी लेकर संयुक्त राज्य कैपिटल के रोटुंडा में रखा जाए।

उन्होंने कहा, आपकी मंजूरी से हम इन व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाएंगे ताकि अमेरिकी जनता को भी राष्ट्रपति कार्टर को अंतिम विदाई देने का मौका मिल सके। रविवार को ट्रुथ सोशल पर अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कार्टर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, राष्ट्रपति के रूप में जिमी कार्टर ने जिन चुनौतियों का सामना किया, वह हमारे देश के लिए एक अहम समय था और उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अपनी पूरी कोशिश की। उन्होंने हमेशा 'सभी अमेरिकियों' के लिए काम किया।

राष्ट्रपति के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, लगे हैं ये गंभीर आरोप

सियोल (ए) । दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ती जा रही है। एक अदालत ने मंगलवार को राष्ट्रपति यूं सुक येओल के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। उन पर 3 दिसंबर को अल्पकालिक मार्शल लॉ लगाने का आरोप है, जिसके बाद उन्हें महाभियोग का सामना करना पड़ा और सत्ता से निलंबित कर दिया गया था। संयुक्त जांच मुख्यालय ने एक बयान में कहा कि निलंबित राष्ट्रपति यूं सुक येओल के लिए गिरफ्तारी वारंट और तलाशी वारंट मंगलवार सुबह जारी किया गया। उच्च पदस्थ अधिकारियों के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने पुष्टि की कि सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय ने इस वारंट को मंजूरी दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दक्षिण कोरिया के इतिहास में यह पहली बार है जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है। सोमवार को, दक्षिण कोरियाई जांचकर्ताओं ने इस महीने की शुरुआत में यून द्वारा लगाए गए अल्पकालिक मार्शल लॉ के संबंध में उनके लिए गिरफ्तारी वारंट की मांग की थी। यून संभावित विद्रोह के आरोपों में आपराधिक जांच का सामना कर रहे हैं। हालांकि, अदालत ने इस मामले पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति यून ने मंगलवार रात एक चौंकाने वाला फैसला लेते हुए पहली बार दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ की घोषणा की थी, लेकिन भारी दबाव के बाद इसे वापस ले लिया गया था। अपने संबोधन में, यून ने सरकार को कमजोर करने के विपक्ष के प्रयासों का हवाला दिया था और कहा था कि वह तबाही मचाने वाली देश विरोधी ताकतों को कुचलने के लिए मार्शल लॉ की घोषणा कर रहे हैं। इस आदेश का मतलब था कि देश अस्थायी रूप से सेना के नियंत्रण में चला गया।

न्यूजीलैंड में नए साल का आगाज, जश्न में डूबा ऑकलैंड

ऑकलैंड (ए)। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में सबसे पहले नए साल 2025 का आगाज हो गया है। ऑकलैंड में लोगों ने पटाखे फोड़कर नए साल का जश्न मनाया। भारत से पहले इंडोनेशिया, थाईलैंड और म्यांमार नए साल का जश्न मनाएंगे। दुनिया में सबसे पहले नए साल का आगाज किरीटीमाटी द्वीप पर 3.30 बजे हुआ। यह द्वीप प्रशांत महासागर में स्थित है और किरिबाती रिपब्लिक का हिस्सा है। यहां का समय भारत से 7.30 घंटे आगे है, यानी जब भारत में 3:30 बजे होते हैं, तो किरीटीमाटी में नया साल शुरू हो जाता है। इसके बाद चैथम द्वीप न्यूजीलैंड के निवासी कुछ ही मिनटों में नए साल 2025 का स्वागत करेंगे। दुनियाभर में लोग इस साल की अंतिम संध्या पर जश्न में डूबने के लिए तैयार हैं। साल 2025 की शुरूआत होने में अब सिर्फ कुछ घंटे बाकी हैं। नए साल के जश्न की तैयारियां दुनियाभर में चल रही हैं। अलग-अलग टाइम जोन के कारण विभिन्न देश अलग-अलग समय पर नए साल का स्वागत किया जाएगा। दुनिया में नए साल के जश्न की शुरुआत किरिबाती द्वीप से होती है।

श्रीलंका ने 2025 तक स्कूल दिवसों को घटाकर 181 किया

कोलंबो (ए.)। श्रीलंका के शिक्षा मंत्रालय ने सोमवार को 2025 के लिये स्कूल के दिनों को 210 दिनों से घटाकर 181 करने की घोषणा की। मंत्रालय के अनुसार संशोधित कार्यक्रम सरकारी स्कूलों, सरकार की ओर से अनुमोदित निजी स्कूलों और पिरिवेनस (बौद्ध भिक्षुओं के लिए स्कूल) पर लागू होगा। मंत्रालय ने कहा कि नया स्कूल वर्ष आधिकारिक तौर पर 27 जनवरी, 2025 से शुरू होगा। इसके अलावा 2025 के शैक्षणिक कैलेंडर में 26 सार्वजनिक अवकाश शामिल हैं। इनमें से 22 अवकाश सप्ताह के दिनों में आते हैं। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए शैक्षिक प्रक्रिया को और अधिक सुलभ बनाना है। इस नए नियम के तहत विद्यार्थियों को कम दिन स्कूल में उपस्थित होना होगा जिससे उन्हें अध्ययन के लिये अतिरिक्त समय मिल सके और वे अपनी पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। गौरतलब है कि श्रीलंका कोविड-19 और आर्थिक संकट के कारण उत्पन्न व्यवधानों से जूझ रहा है, 2024 शैक्षणिक वर्ष का तीसरा सत्र 24 जनवरी, 2025 को समाप्त होने वाला है।

पाकिस्तान 2025 में सुरक्षा परिषद में होगा शामिल; क्या हैं इसके मायने?

संयुक्त राष्ट्र (ए.)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के कई सदस्य बुधवार (1 जनवरी, 2025) से बदलने जा रहे हैं। इसमें कुछ गैर-स्थायी सदस्यों की एंट्री हो रही है, जिसमें पाकिस्तान भी शामिल है। उसे अब आतंकवादियों पर प्रतिबंध लगाने के मामले में एक तरह की वीटो शक्ति प्राप्त हो जाएगी जिन्हें वह पनाह देता आया है। जून में अस्थायी सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद, पाकिस्तान सुरक्षा परिषद में एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से एक पर जापान की जगह लेगा और दो साल तक यह सीट पर रहेगा। इस्लामाबाद को अब 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड साजिद मीर जैसे अपने आतंकवादियों की सुरक्षा के लिए इस्लामिक स्टेट और अलकायदा प्रतिबंध समिति में बीजिंग पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जो इन दोनों संगठनों से जुड़े व्यक्तियों और समूहों को आतंकवादी घोषित करती है और उन पर प्रतिबंध लगाती है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में केवल स्थायी सदस्यों के पास निर्णयों पर वीटो की शक्ति होती है, लेकिन गैर-स्थायी सदस्यों के पास भी 'आतंकवाद के लिए प्रतिबंध समितियों' में एक प्रकार की वीटो शक्ति होती है क्योंकि वे स्वीकृत मानदंडों के तहत आम सर्वसम्मति से कार्य करती हैं। सर्वसम्मति प्रक्रिया द्वारा दिए गए वर्चुअल वीटो की निंदा की जाती रही है, 'इस्लामिक स्टेट-अल-कायदा प्रतिबंध पैनल' के पूर्व प्रमुख न्यूजीलैंड ने इसे 'समिति की प्रभावशीलता में सबसे बड़ा अवरोधक' बताया है।

भारत ने प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली को 'भूमिगत' करार दिया है,

जो कानूनी आधार के बिना 'अस्पष्ट प्रथाओं' पर आधारित है। साथ ही पारदर्शिता की मांग की है ताकि निर्णयों के औचित्य और उन्हें कैसे लिया जाता है, यह स्पष्ट हो सके। पाकिस्तान को अब सुरक्षा परिषद में कश्मीर पर अपनी अभियान को और जोरदार तरीके से उठाने का मंच मिल जाएगा, यह एक ऐसा मुद्दा है जिसे वह चर्चा के विषय की परवाह किए बिना नियमित रूप से उठाता है, तथा भारत पर तीखे हमले करता है। हालांकि, यह एक निरंतर प्रचार स्टंट ही रहेगा क्योंकि पाकिस्तान एक ऐसी आवाज रहा है जो सुनसान में गूंजती है। इस्लामाबाद कश्मीर को फिलिस्तीन समस्या से जोड़ने की कोशिश करता रहा है लेकिन किसी अन्य देश को अपने साथ नहीं जोड़ सका। जुलाई में जब पाकिस्तान सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा, तो वह अपनी पसंद के विषयों पर कम से कम दो 'सिग्नेचर इवेंट्स' आयोजित कर सकता है, जिनमें उच्च-स्तरीय भागीदारी होगी, जिसमें उसके अपने और आमंत्रित सदस्य दोनों शामिल होंगे। भले ही यह सीधे तौर पर इसे 'भारत विरोधी' शो न बनाए, लेकिन यह किसी ऐसे विषय को उठा सकता है जिसका इस्तेमाल वह भारत और कश्मीर पर दुष्प्रचार के लिए कर सकता है। जापान के हटने के साथ, ध्रुवीकृत परिषद में संतुलन में एक सूक्ष्म बदलाव आ गया है, जहां चीन, रूस और पाकिस्तान का त्रिकोण कई मुद्दों पर उभर कर सामने आएगा। अन्य एशियाई सदस्य दक्षिण कोरिया है, जो जापान की तरह पश्चिम समर्थक है। महासभा में पाकिस्तान ने कई मुद्दों पर चीन के मतदान पर नजर रखी है, खासकर यूक्रेन मामले पर, जब उसने बीजिंग के साथ मिलकर रूस को आक्रामक देश के रूप में नामित करने वाले प्रस्ताव पर मतदान किया, जबकि आम तौर पर मतदान में हिस्सा नहीं लिया। पाकिस्तान ने हमेशा फिलिस्तीन का खुलकर समर्थन किया है और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उसके इस मुद्दे पर आवाज उठाने की उम्मीद है, जहां वह अमेरिका के साथ आमने-सामने हो सकता है। इस्लामाबाद आतंकवाद के मामले में विरोधाभासी रवैया अपनाता है। भारत के खिलाफ आतंकवादियों को समर्थन या तैनात करने के बावजूद, वह, अपने खिलाफ तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकी हमलों की निंदा करता है, जिसके बारे में उसका कहना है कि वे अफगानिस्तान में स्थित हैं।

टल गया एक और बड़ा विमान हादसा, हवाई अड्डे पर टकराने से बचे दो विमान

वाशिंगटन (ए.) । अमेरिका के लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर एक और बड़ा विमान हादसा होने से टल गया। जहां, हवाई अड्डे पर दो विमान आपस में टकराने से बच गए। विमान में वॉशिंगटन के गोंजागा विश्वविद्यालय की बास्केटबॉल टीम भी सफर कर रही थी। एफएए ने बयान में कहा कि लाइम एयर फ्लाइट 563 लॉस एंजेलिस हवाई अड्डे पर उतरी थी और जैसे ही वह रनवे को पार करने वाली थी, तभी बास्केटबॉल टीम को ले जा रहा निजी विमान भी टेकऑफ कर रहा था। स्थिति ऐसी बनी कि दोनों विमान बेहद करीब आ गए। हालात को देखते हुए एटीसी ने तुरंत की लाइम एयरलाइंस के विमान को तुरंत रुकने को कहा। इससे विमानों की टक्कर बच गई। जब निजी विमान ने उड़ान भर ली, उसके बाद दूसरे विमान को रनवे पर जाने की इजाजत दी गई। यह घटना प्लेन-स्पॉटिंग लाइवस्ट्रीम पर कैद की गई, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है।

आज से लग रहा नया साल, युवा करेंगे धमाल, पिकनिक स्थलों पर रहेगा हुजूम

पचमढ़ी,नर्मदा तट और पहाडिया पर मनेगी पार्टी, बांद्राभान भी पहुंचेंगे लोग

डोलरिया/नर्मदापुरम (रश्मि गौड़)।

नव वर्ष के स्वागत को लेकर युवाओं की टीम आतुर है। बुधवार से नए वर्ष की शुरूआत हो रही है। तेज ठंड के बावजूद नर्मदा की शांत लहरों और आदमगढ़ की पहाडियों पर आज बड़ी संख्या में शहर के लोग नए वर्ष की पार्टी मनाने के लिए पहुंचेगे। कुछ लोग बांद्राभान के संगम स्थल पर पहुंच कर भी नया वर्ष मनाएंगे। इसके अलावा पर्यटन स्थल पचमढ़ी, तिलक सेंदुर, भीलट देव, आंवरी घाट, तवानगर के अलावा कई लोग सलकनपुर सहित अन्य स्थानों पर नव वर्ष मनाने के लिए पहुंचते हैं। हर वर्ष की तरह नर्मदापुरम शहर के पिकनिक स्पाट पर युवाओं का हुजूम लगेगा। युवाओं की टोली अपने मित्रों के साथ शहर के पर्यटन घाट, सेठानी घाट, विवेकानंद घाट के आलावा नेहरू पार्क और पहाडिया पर पहुंचेंगे नए वर्ष को लेकर शहर के अनेक प्रमुख स्थानों पर सुबह

होने के साथ ही शहर के विभिन्न स्थानों पर युवाओं की भीड़ उमड़ेगी। नर्मदा तट का शहर होने के नाते कई लोग वर्ष के पहले दिन नर्मदा में डुबकी लगाकर नए वर्ष का स्वागत करते हैं। इस कारण भी सुबह के समय तेज ठंड के बावजूद डुबकी लगाने वालों की संख्या अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा रहेगी।

ठंड का रहेगा तेज असर

नए वर्ष के एक दिन पूर्व दो बार बारिश होने से अब तेज ठंड का असर रहेगा। क्योंकि शहर के सभी पिकनिक स्पाट पर सीधी हवाओं का जोर रहता है। चाहे पहाड़िया हो, खर्राघाट, और नेहरू पार्क हो या बांद्राभान सभी ठंडे स्थान हैं। इन्हीं स्थनों पर ही शहर के युवाओं की टोलियां मुख्य रूप से मनोरंजन करने के लिए पहुंचती हैं। कई लोग सपरिवार पहुंच कर नया वर्ष मनाते हैं। वहीं शहर के अनेक लोग हिंगलाज देवी मंदिर परिसर पहुंचना भी पसंद करते हैं। इसी के पास नीचे खर्राघाट और दत्त मंदिर क्षेत्र होने से यहां पर भी कई लोग इन प्राकृतिक स्थानों पर पहुंच कर पार्टी करते हैं। इन दिनों बच्चों का शीतकालीन अवकाश चल रहा है। इस कारण बच्चों के साथ ही कई लोग नए वर्ष मनाने पहुंचते हैं। शहर के कई लोग परिवार के साथ सलकनपुर देवी धाम पहुंच कर भी नए वर्ष की शुरूआत करेंगे।

लक्ष्मी बछिया का जन्मोत्सव आज मनेगा

नर्मदापुरम(निप्र)। अंकिता नगर के प्रथमेश्वर मंदिर प्रांगण में नव वर्ष के मौके पर आज लक्ष्मी बछिया का जन्मोत्सव श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। गोसेवक समाजसेवी पहलवान रणजीत सिंह के द्वारा पिछले अनेक वर्षों से गोसेवा की जा रही है। समाजसेवा के क्षेत्र में उनका विशेष योगदान रहता है। भोपाल के वल्लभ भवन से सेवानिवृत्ति के बाद से लगातार सेवाभाव में तल्लीन रहने वाले समाजसेवी रणजीत सिंह ने पहलवानी भी की है। करीब 84 वर्ष की उम्र में भी वे समाजसेवा के कार्य में पीछे नहीं रहते हैं। बिना जूते चप्पल पहने उन्होंने कई वर्ष बिता चुके हैं। एक दिव्यांग कन्या का कन्यादान भी किया है। उन्होंने सांईस के विद्यार्थियों के लिए अंगदान का पर्चा भी भरा है।

विद्यालय में डॉ तोमर ने नशा नहीं करने की शपथ दिलाई

नर्मदापुरम(निप्र)। नव वर्ष में नवाचार श्रीमती सोना मेमोरियल हायर सेकेंडरी स्कूल रसूलिया नर्मदापुरम में डिप्टी कलेक्टर श्रीमती बबीता राठौर के तत्वाधान में मध्य प्रदेश के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत सामाजिक एवं निःशक्त जनकल्याण विभाग के वरिष्ठ समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉक्टर मयंक तोमर ने स्कूल के विद्यार्थियों एवं स्टाफ को नशा तथा मादक पदार्थों के निषेध की शपथ दिलाई इस अवसर पर स्कूल के वरिष्ठ शिक्षिका सीमा पाराशर, किरण पवार, मनीषा गावन्डे, रीता खत्री, मनीषा बागोरिया, रूपेश सर, एवं विद्यार्थियों के साथ स्टाफ के सभी शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में स्कूल के प्राचार्य मोहनलाल गौर ने डॉक्टर तोमर का पुष्प सहित पौधों से सम्मान किया एवं आभार व्यक्त किया।

जनपद अध्यक्ष के नेतृत्व में डंगरबाडी किसानों ने प्रशासन से मदद की गुहार लगाई

नर्मदापुरम (निप्र)। बीते दिनों क्षेत्र में अचानक हुई बारिश से नदियों के किनारे लगाई जाने वाली डंगरबाडियों में बड़ी मात्रा में किसानों को नुकसान हुआ है। तवा नदी क्षेत्र में डंगरवाड़ी को भारी क्षति हुई है। पीड़ित डंगरवाड़ी कृषक ग्राम रायपुर, बांद्राभान, दिवलाखेड़ी, निमसाड़िया से बड़ी संख्या में जनपद कार्यालय पहुंचे सभी जनपद पंचायत अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे के नेतृत्व में कलेक्टर को लिखित ज्ञापन दिया। साथ ही प्रशासन से आग्रह किया है कि सर्वे कराकर उचित सहायता राशि प्रदान की जाए। उद्यानिकी विभाग को पीडित कृषकों को उचित परामर्श देने

एवं नवीन बीज एवं रासायनिक खाद की तुरंत मदद पहुंचाने का आग्रह किया गया है। विधायक डॉ सीताशरण शर्मा से भी मांग की है कि तवा किनारे के क्षेत्र के किसानों को हुए नुकसान के लिए जल्द सर्वे कराया जाए। किसान नेता निषाद हरीश केवट ने कहा डंगरवाड़ी कृषी हमारे इस वर्ग की अजीविका का मुख्य साधन है। अत: हम प्रशासन की तरफ बहुत उम्मीद भरी नजरों से होकर देख रहे हैं। भाजपा ग्रामीण मंडल के अध्यक्ष गोपाल पटेल ने कहा सर्वे की प्रक्रिया जल्द से जल्द हो मैं इसके लिए प्रयास करूंगा। जिससे कि पीडित किसानों को को लाभ मिल सके। मछुआरा समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता विनोद कहार ने शासन प्रशासन से आग्रह करते हुए मांग की है कि सर्वे कराने में देर नहीं होनी चाहिए। यह मांग है कि सभी जनप्रतिनिधि इस मछुआरा समाज की संकट की घड़ी में हमारा सहयोग करें अपना सारा बजट रेत की डंगरबाड़ी में लगा चुके अधिकांश पीडित किसान कर्ज में डूब गए है।

मांग करने वालों में मुख्य रूप से मछुआरा प्रकोष्ठ के पदाधिकारि कैलाश मेवारी, बद्री प्रसाद, विनोद कहार सहित बड़ी संख्या में पीडित किसान व ग्रामीण वर्गों के प्रतिनिधि सामिल रहे।

जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन 03 जनवरी 2025 को शा. नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम में

नर्मदापुरम(निप्र)। युवा कल्याण कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा माननीय प्रधानमंत्री जी की मंशा अनुसार पंच प्राण और आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष के उपलक्ष में 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के युवाओं के प्रतिभा को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 12 से 16 जनवरी 2025 के मध्य नई दिल्ली में 28 वा राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन किया जाना है। जिला स्तर पर युवा उत्सव में कुल 7 विधाएं विज्ञान मेला(एकल), समूह लोक नृत्य, कविता लेखन, भाषण, पेंटिंग, कहानी लेखन आदि का आयोजन किया जाएगा। समूह लोक गायन विद्या के सर्वश्रेष्ठ दल का चयन कर सीधे संभाग स्तर पर प्रतिभागी सम्मिलित होंगे।

जिला स्तर युवा उत्सव 03 जनवरी 2025 को एवं संभाग स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिता का आयोजन 04 जनवरी 2025 को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदापुरम के आडोटोरियम में प्रात: 10:30 बजे से किया जाएगा।

वर्ष की विदाई वेला के साथ विभागों से सेवानिवृत्तों को भी दी गई विदाई

अनेक विभागों से हुए अनेक सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्त

नर्मदापुरम(निप्र)। वर्ष 2024 की विदाई वेला के साथ सरकारी विभागों में भी महिने व साल के आखिरी दिन सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए विदाई वेला का दिन रहा। स्वास्थ्य विभाग के दो, वन विभाग से दो, शिक्षा विभाग से दो पीएचई से एक, नगर पालिका से दो, लोक निर्माण विभाग से एक, कृषि विभाग से एक कर्मचारी की सेवानिवृत्ति होने पर विदाई दी गई।

62 वर्ष की उम्र पूरी कर चुके कर्मचारियों की विदाई का सिलसिला 30 दिसंबर से शुरू हो गया था। जिनमें छोटे पद से लेकर अनेक पदों के विभाग के साथी कर्मचारियों ने हंसी खुशी के साथ अपने साथी को घर तक विदा किया। नगरपालिका में नगरपालिका कर्मचारी संघ व नगरपालिका कर्मचारी मजदूर संघ के द्वारा विदाई दी गई। दोनों कर्मचारी ने नगरपालिका में लगातार 40- 42 वर्ष तक अपनी सेवाएं दी हैं। उनका सभी कर्मचारियो के साथ मिलनसार व्यवहार रहा हैं इसीलिए सभी कर्मचारी उनको सम्मान देते थे। कार्यालयों में अधिकारियों के द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के कार्यकाल की सराहना की। इस दौरान साथी कर्मचारी उपस्थित रहे।

केन्द्रीय जेल अनुभाग अ और ब में नेत्र परीक्षण शिविर का किया गया आयोजन

शिविर में नेत्र रोगी बंदियों को चश्मे वितरित किये गये

नर्मदापुरम(निप्र)। जेल प्रशासन के सहयोग से सेंट्रल जेल के दोनों अनुभागों अ और ब में नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शिक्षाविद, सेवानिवृत्त प्राचार्या श्रीमती विद्या जैन के 75वें जन्मदिन पर उनके पुत्र पवन जैन, प्रशांत जैन ने बंदियों को नंबर आधारित चश्मे वितरित किये। शिविर में जेलर प्रह्लाद वरकड़े, उप जेल अधीक्षक ऋतुराज दांगी,स्वास्थ्य कार्यकर्ता डॉ.मयंक तोमर और समाजसेवी भावना बिष्ट उपस्थित थे।

जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान सम्मेलन आयोजित

सीहोर (निप्र)। सीहोर तहसील के ग्राम सालाखेड़ी में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस किसान सम्मेलन में किसानों द्वारा जैविक खेती के मॉडलों का अवलोकन किया गया। इसके साथ इस किसान सम्मेलन में उन किसानों ने अपने अनुभव साझा किए जो निरंतर जैविक खेती कर रहे हैं। किसान सम्मेलन में बताया गया कि यह एक अग्रणी प्रयास है जो समर्थन संस्था और कृषि विभाग के प्रयासों से किया जा रहा है। बीआरसी केंद्र पर एडवांस जीवामृत और कीट प्रबंधन हेतु कई प्रकार की कीटनाशक का निर्माण किया जा रहा है। इस अवसर पर किसानों को मृदा और उसके तत्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि मृदा के तत्वों की कमी को जीवामृत की सहायता से पूरा किया जा सकता है और भूमि को उपजाऊ बनाया जा सकता है। इस अवसर पर ग्राम एवं आसपास के ग्रामों किसान एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

साधु वासवाणी व्याख्यान माला जैसे आयोजन- सिर्फ यादें ही शेष रह गई हैं

नर्मदापुरम (निप्र)। सूर्यदेव अस्ताचल की ओर जाते हुए शाम का समय मां नर्मदा का पावन तट प्रसिद्ध सेठानी घाट की ओर शहर तथा आसपास क्षेत्र के हजारों लोग बहुत उत्साह और उमंग के साथ देश के जाने माने व्यक्तित्व को सुनने के लिए उतावले होते थे। सभी लोग समय से पहले पहुंच जाते थे, बहुत ही अनुशासित तरीके से घाट के सबसे बड़े फर्श भरत मिलाप पर नीचे गद्दे व दरी पर संभ्रांत व आम नागरिक सभी लोग बैठते थे। जो मुख्य वक्ता आते थे उन्हें बड़े ध्यान से सुनते थे। यह सुनहरी यादें, 80 के दशक की उस समय की हैं। शहर की तत्कालीन प्रसिद्ध सिंधु सेवा समिति द्वारा उस समय का विशिष्ठ आयोजन साधु वासवाणी व्याख्यान माला समारोह होता था। उस समारोह में सबसे विशिष्ठ योगदान देने वाले शहर के प्रबुद्ध व्यक्तित्व वरिष्ठ समाजसेवी घनश्याम जमनानी ने चर्चा के दौरान बताया कि वह भी एक ऐसा दौर था जो देश के नामचीन व्यक्तित्व को यहां पर बुलाकर उनके विचार सुने जाते थे। उस समारोह से पूरा क्षेत्र जुड़ जाता था। वह एक अनूठा आयोजन होता था। जिसकी अनेक विशेषताएं होती थी। उस आयोजन का मुख्य आकर्षण देश के ऐसे व्यक्तित्व होते थे जिन्हें देशवासी श्रद्धा भाव से सुनना चाहते थे। उन्हें यहां पर बुलाकर समारोह करना उस समय काफी मेहनत का कार्य हुआ करता था। उस समय की सुनहरी यादें आज भी आनंदित करती हैं।

80 के दशक में मुख्य वक्ता के रूप में पधारी हिंदी साहित्य की महान हस्ती देश की महान कवित्री आदरणीय महादेवी वर्मा जी आई थी। उन्हें सुनने के लिए क्षेत्र के हजारों लोग उतावले हो रहे थे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री जमनानी ही करते थे।

सर्किट हाउस में सफेद स्वेटर में कार्यक्रम के संचालक घनश्याम जमनानी, आयोजन समिति के सदस्य ओम मूलचंदानी एवं पीछे समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण बडानी।

पत्रकारिता की सेमेस्टर परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के दौरान प्रशासनिक एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु उड़नदस्ता दल प्रभारी नियुक्त

नर्मदापुरम(निप्र)। डिप्टी कलेक्टर नर्मदापुरम ने बताया कि कुलसचिव, माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा विश्वविधालय की दिसम्बर 2024-जनवरी 2025 पत्रकारिता की सेमेस्टर परीक्षाएँ दिनांक 26 दिसम्बर 2024 से 11 जनवरी 2025 तक विभिन्न परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित है। यह परीक्षा दो पालियों में प्रथम पाली सुबह 9 से 12 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 2 बजे से 5 बजे तक होगी।

तत्संबंध में कलेक्टर सोनिया मीना द्वारा समस्त परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा के दौरान प्रशासनिक एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा अन्य संपूर्ण व्यवस्थाओं हेतु अधिकारियों को नियुक्त गया है।

कलेक्टर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

>>> जनसुनवाई में 95 आवेदन प्राप्त हुए

>>> आम जनता की समस्या के निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नर्मदापुरम (निप्र)। मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में आज आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं को सुना गया और उनके त्वरित निराकरण के लिए उचित निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई के दौरान ग्राम जसारवानी, तहसील बनखेड़ी के ग्रामवासियों द्वारा ग्राम में नशे के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही के संबंध में आवेदन प्रस्तुत किया गया। ग्रामवासियों ने बताया कि ग्राम में कच्ची शराब और नशीले मादक पदार्थों का विक्रय बड़ी मात्रा में हो रहा है, जिसके कारण ग्राम में असामाजिक तत्व सक्रिय हैं। ग्रामवासियों ने प्रशासन से अनुरोध किया कि नशीले मादक पदार्थों के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया जाए और संबंधित तत्वों पर उचित कार्रवाई की जाए। इसके अलावा, मांस और मदिरा के विक्रय को ग्राम की सीमा से बाहर, उचित दूरी पर किए जाने का भी आग्रह किया गया।

जनसुनवाई में विभिन्न अन्य शिकायतो पर भी सुनवाई की गई, जिनमें रास्ता रोके जाने, भूमि पर अतिक्रमण, आर्थिक सहायता, इलाज के लिए सहायता, पढ़ाई में मदद, नामांतरण, सीमांकन और अवैध कब्जा हटाने से संबंधित आवेदन शामिल थे। समस्याओं का मौके पर ही निराकरण भी किया गया और पुराने प्रकरणों की भी समीक्षा की गई।

जनसूनवाई में पर डिप्टी कलेक्टर बबिता राठौर, सिटी मैजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत और अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में आए लोगों की समस्याओं का समाधान तत्काल रूप से किया गया, जिससे नागरिकों में प्रशासन की ओर से मिली त्वरित कार्रवाई को लेकर संतोष का माहौल बना।

अवैध उत्खन्न, परिवहन एवं भण्डारण के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर जारी

08 मोटर वोट, 04 डंपर एवं 07 ट्रेक्टर ट्राली जप्त

नर्मदापुरम(निप्र)। जिला खनिज अधिकारी नर्मदापुरम ने बताया कि कलेक्टर सोनिया मीना से प्राप्त निर्देश के पालन में अवैध उत्खनन / परिवहन / भण्डारण के विरूद्ध खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सम्पूर्ण जिले में कार्यवाही जारी है। खनिज विभाग नर्मदापुरम द्वारा 15 दिसम्बर से 31 दिसम्बर तक 20 वाहनों को जप्त किया गया है। जिसमें 08 मोटर वोट, 04 डम्पर एवं 07 ट्रेक्टर ट्राली सम्मिलित हैं। 26 दिसम्बर को ग्राम-होरियापीपर, तह. नर्मदापुरम से डम्पर क्रमांक-एम.पी. 48 एच 1065 को मिट्टी खनिज का अवैध उत्खनन करते हुए जप्त कर आर.टी.ओ. परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। 27 दिसम्बर को ग्राम-मनवाड़ा, तह. माखननगर से रेत का अवैध उत्खनन करते हुए डम्पर क्रमांक-एम.पी.05 जी. 8140 एवं एम.पी. 04 एच.ई. 4149 को जप्त कर माखननगर थाने में अभिरक्षा में दिया गया। 31 दिसम्बर को ग्राम-हथनापुर में डम्पर क्रमांक-एम.पी. 04 एच.ई. 4953 को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए जप्त कर थाना-डोलरिया में अभिरक्षा में रखा गया हैं। उक्त कार्यवाहियों में दिवेश मरकाम, जिला खनि अधिकारी, पिंकी चौहान, खनि निरीक्षक, कृष्णकांत सिंह परस्ते, प्र0 खनि निरीक्षक, होमगार्ड एवं पुलिस बल उपस्थित रहा।

उक्त जप्त वाहनों के विरूद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के तहत कार्यवाही की जा रही है।

जनसुनवाई शिकायत पर जिला प्रशासन की कार्यवाही

सरिता देवी को अपनी निजी भूमि पर हुए अवैध कब्जे के हटने पर मिली राहत

नर्मदापुरम (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा सुशासन की दिशा में प्रभावी कार्रवाई करते हुए नगर की बालागंज निवासी सरिता देवी की निजी भूमि पर हुए अवैध कब्जे को हटवाते हुए उनकी शिकायत का निराकरण किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर सोनिया मीना के समक्ष प्रस्तुत आवेदन के आधार पर आवेदक सरिता देवी पत्नी विक्रम कुचबंदिया, निवासी बालागंज द्वारा यह शिकायत की गई थी कि अनावेदक रघुवर गौहर ने उनकी भूमि नजूल सीट नंबर - 25, प्लॉट नंबर - 291/1 (रकबा - 1132 वर्ग फुट) पर अवैध रूप से टीन शेड डालकर कब्जा कर लिया था।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com